door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 39 | गुवाहाटी | गुरुवार, 5 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महिला सशक्तिकरण के लिए महाराष्ट्र नया रोल मॉडल : राष्ट्रपति पेज 2
अवैध रूप से असम में घुसे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने भेजा उनके देश पेज 3
प्रदेश में अपराधियों की संरक्षक है समाजवादी पार्टी : नितिन अग्रवाल पेज 5
आरजी कर कांड की सीबीआई जांच में खुलासा-नौ अगस्त... पेज 7

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

2,200 करोड़ ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में 68 लोग गिरफ्तार

धोखेबाजों के जाल में न फंसें : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि 2,200 करोड़ रुपए के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले के सिलसिले में कम से कम 68 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पत्रकारों से बात करते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में शामिल 68 लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच जारी है। आगे की जानकारी बहुत जल्द सामने आएगी। हालांकि, मैं नागरिकों से अपील करना चाहता हूं कि वे धोखेबाजों के जाल में न फंसें। इस धरती पर कोई भी व्यक्ति ट्रेडिंग के जरिए किसी को 25 या 30 प्रतिशत नहीं दे सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आम जनता ने टीवी फुटेज में देखा होगा कि धोखेबाज जनता के पैसे से आलीशान जिंदगी जी रहे हैं। मैं हर नागरिक से आग्रह करता हूं कि अपनी मेहनत की कमाई को बर्बाद न करें। असम पुलिस ने एक बड़े वित्तीय घोटाले का पर्दाफाश किया है जिसमें दलाल शामिल थे जो लोगों का पैसा दोगुना करने का वादा करके ऑनलाइन शेयर बाजार में फर्जी निवेश करते थे। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इस अपराध के सिलसिले में गुवाहाटी निवासी स्वप्निल दास और डिब्रूगढ़ निवासी विशाल फुकन को गिरफ्तार किया है। कई और गिरफ्तारियां की गई हैं तथा जल्द ही कई अन्य लोगों की गिरफ्तारी होने की संभावना है। पुलिस के अनुसार, फुकन ने अपनी आलीशान जीवनशैली का इस्तेमाल लोगों को लुभाने के लिए किया और अपने निवेशकों को 60 दिनों के भीतर उनके पैसे पर 30 प्रतिशत रिटर्न का आश्वासन दिया। असमिया सिनेमा में निवेश करने के अलावा, उसने चार काल्पनिक व्यवसाय स्थापित किए थे और अन्य घर खरीदे थे। पुलिस ने डिब्रूगढ़ स्थित उनके आवास पर छापा मारा और करोड़ों रुपए के घोटाले से जुड़े दस्तावेज जब्त किए। इस बीच, पुलिस अब असमिया कोरियोग्राफर और अभिनेत्री सुमी बोरा की तलाश कर रही है, जो कथित तौर पर फुकन के नेटवर्क से जुड़ी हुई है। फुकन ने कथित तौर पर राजस्थान के उदयपुर में सुमी बोरा की शादी पर करोड़ों रुपए खर्च किए थे। सुमी का पति भी पुलिस की नजर में आ गया है और वह भी फरार है। इस बीच, फुकन और दास दोनों को बुधवार को अदालत में पेश किया गया और पुलिस ने उनकी सात दिन की हिरासत मांगी। बताया जा रहा है कि विशाल फुकन असम और अरुणाचल के लोगों (निवेशकों) को सिर्फ 60 दिनों में 30 प्रतिशत रिटर्न का वादा करके खुद के फैलाए जाल में फंसाता था। लोगों से पैसा ठग कर विशाल ने खुद की चार बड़ी कंपनियां खड़ी कर ली, ये कंपनियां फार्मा, उत्पादन और कंस्ट्रंक्शन के क्षेत्र में काम कर रही हैं। विशाल ने असमिया फिल्म इंडस्ट्री में इनवेस्टमेंट करने के साथ-साथ कई अन्य प्रोपर्टी भी खरीदी है। जब गुवाहटी में शेयर धोखाधड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

स्वतंत्रता दिवस पर बम बरामदगी का मामला

गुवाहाटी पुलिस ने तीन को हिरासत में लिया

गुवाहाटी। गुवाहाटी पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस पर शहर भर में विस्फोटक लगाने से जुड़े तीन व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। संदिग्धों को आज शिवसागर और मोरनहाट में समन्वित अभियान के दौरान हिरासत में लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हिरासत में लिए गए संदिग्धों के नाम गुवाहाटी में चार प्रमुख स्थानों पर बमों की बरामदगी की जांच के दौरान सामने आए। विस्फोटक उपकरण कथित तौर पर प्रतिबंधित उग्रवादी समूह यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) [अल्फा (आई)] द्वारा रखे गए थे, जिसने योजनाबद्ध हमलों की जिम्मेदारी ली थी। हिरासत में लिए गए लोगों से वर्तमान में गहन पूछताछ चल रही है, -शेष पृष्ठ दो पर

28 लोगों को डिटेंशन कैंप भेजे जाने पर भड़के ओवैसी

हैदराबाद। असम में 28 लोगों को डिटेंशन सेंटर में भेजे जाने का मामला तूल पकड़ रहा है। कई मुस्लिम संगठन इसका विरोध कर चुके हैं। इसी कड़ी में लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रिएक्शन दिया है। उन्होंने असम बॉर्डर पुलिस के एक्शन और राज्य के सिस्टम पर सवाल उठाया है। ओवैसी ने कहा कि ये जो हरकत हुई है, इसकी पूरी जिम्मेदारी असम बॉर्डर पुलिस की है। एआईएमआईएम (ऑल इंडिया मजलिस-ए- -शेष पृष्ठ दो पर

ऊपरी असम के लोगों को करीब लाने डिब्रूगढ़ में बनेगा नया सचिवालय

गुवाहाटी। असम सरकार 6 सितंबर को डिब्रूगढ़ में नए मुख्यमंत्री सचिवालय का उद्घाटन करने जा रही है। इस कदम का उद्देश्य सत्ता का विकेंद्रीकरण करना और उत्तरी तथा ऊपरी असम क्षेत्रों के निवासियों के लिए पहुंच में सुधार करना है। नया कार्यालय महीने में कम से कम चार दिन काम करेगा, जिससे नागरिकों को सरकारी कार्यों के लिए राज्य की राजधानी दिसपुर तक 500-550 किलोमीटर की यात्रा करने की आवश्यकता काफी कम हो जाएगी। स्थानीय निवासी अनिल पोद्दार ने इस विकास पर उत्साह व्यक्त -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

पृथ्वी सत्य पे टिकी हुई है। ये सत्य की ही ताकत है, जिससे सूर्य चमकता है और हवा बहती है। वास्तव में सभी चीजें सत्य पे टिकी हुई हैं।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

कृष्ण जन्मभूमि मामला एचसी के खिलाफ एससी पहुंचा मस्जिद पक्ष

मथुरा। मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से संबंधित 18 मामलों को सुनवाई योग्य मानने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ मस्जिद पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मस्जिद पक्ष ने मामलों को सुनवाई योग्य मानने की मंदिर -शेष पृष्ठ दो पर

कनाटक में *महामारी* घोषित हुआ डेंगू एक्शन में सरकार

बेंगलुरु। कर्नाटक में डेंगू के मामलों में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। तेजी से बढ़ते मामलों के चलते सिद्दरमैया सरकार भी एक्शन मोड में आ गई है और उसने डेंगू को *महामारी रोग* घोषित कर दिया है। इसी के साथ सरकार ने अधिकारियों को भी सख्त निर्देश दिए हैं कि उन लोगों को दंडित किया जाए जो नियमों का पालन नहीं करते हैं। जो लोग मच्छरों के प्रजनन को रोकने -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में शाह की रणनीति ने दिलाई कामयाबी, शांति समझौते पर लगी मुहर

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में बुधवार को केंद्र सरकार, त्रिपुरा सरकार, नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) के प्रतिनिधियों ने एकसाथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और गृह मंत्रालय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्र सरकार, त्रिपुरा सरकार, एनएलएफटी और एटीटीएफ के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह समझौता पूर्वोत्तर के लिए 12वां और त्रिपुरा से संबंधित तीसरा समझौता है। अमित शाह ने बताया कि अब तक लगभग 10 हजार -शेष पृष्ठ दो पर

बादल फटने से एनएच-29 पर हुए भूस्खलन, छह की मौत

कोहिमा (हि.स.)। बादल फटने के कारण नगालैंड में राष्ट्रीय राजमार्ग-29 पर हुए भूस्खलन में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। आज हुई इस घटना ने डिमापुर-कोहिमा राष्ट्रीय राजमार्ग को पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया। जानकारी के अनुसार सभी छह शव बरामद कर लिए गए हैं। इस घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने एक आपात बैठक बुलाई और एनएच-29 पर आपदा की स्थिति का जायजा लिया, जिसके परिणामस्वरूप 6 लोग हताहत हुए। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि मैं नागरिकों से सरकारी सलाह पर ध्यान देने का आग्रह करता हूं। सरकार आपातकालीन सेवाएं और अनुग्रह राशि प्रदान -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे संदीप घोष एचसी पर उठाए सवाल

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें उनकी कथित वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई जांच का आदेश दिया गया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष 6 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध याचिका, मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में 31 वर्षीय प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित बलात्कार और हत्या के बाद घोष की बढ़ती जांच के बीच आई है। कोलकाता की एक अदालत ने आरजी कर -शेष पृष्ठ दो पर

विस्तारवाद की नहीं, विकास की नीति का समर्थन करता है भारत : ब्रुनेई में बोले पीएम मोदी

बंदर सेरी बेगावान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परोक्ष रूप से चीन के संदर्भ में बुधवार को कहा कि भारत *विस्तारवाद की नहीं, बल्कि विकास की नीति* का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री मोदी की ब्रुनेई की द्विपक्षीय यात्रा के दौरान दोनों देशों ने क्षेत्र में *नौवहन की स्वतंत्रता* के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। प्रधानमंत्री की सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के साथ रक्षा, व्यापार समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ भारत और ब्रुनेई ने द्विपक्षीय साझेदारी को *उच्च स्तर तक* बढ़ाने की कवायद को अमली जामा पहनाया। पीएम मोदी ने सुल्तान बोलकिया द्वारा आयोजित भोज में किसी देश का नाम लिए बगैर कहा कि हम विस्तारवाद की नहीं, बल्कि विकास की नीति का समर्थन करते हैं। चीन का दक्षिण चीन सागर (एससीएस) और पूर्वी चीन सागर (ईसीएस) में कई देशों के साथ विवाद है। चीन दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है, जबकि फिलीपीन, मलेशिया, वियतनाम, ब्रुनेई और ताइवान भी इस पर अपना दावा करते हैं। मोदी ने कहा कि हम इस बात पर सहमत हैं कि इस क्षेत्र में एक आचार संहिता को अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत -शेष पृष्ठ दो पर

नाइजीरिया में बोको हरम का आतंक

राइफल-ग्रेनेड लेकर गांव में घुसे और बिछा दी सौ लाशें

अबुजा। पूर्वोत्तर नाइजीरिया में कम से कम 100 ग्रामीण मारे गए, जब संदिग्ध बोको हराम इस्लामी चरमपंथियों ने एक बाजार, उपासकों और लोगों के घरों में गोलीबारी की, निवासियों ने बुधवार को कहा कि उग्रवाद के साथ अफ्रीका के सबसे लंबे संघर्ष में नवीनतम हत्याएं। योबे पुलिस प्रवक्ता डुंगस अब्दुलकरीम के अनुसार, मोटरसाइकिलों -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान में बेटे ने बनाया मां को अपनी हवस का शिकार

जयपुर। राजस्थान के बूंदी जिले में एक व्यक्ति को नशे की हालत में अपनी मां से दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब आरोपी (28) अपनी 52 वर्षीय मां के साथ गांव में अपने घर लौट रहा था। पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद पीड़िता अपने छोटे बेटे और बेटी के साथ डाबी थाने पहुंची और आरोपी बेटे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने -शेष पृष्ठ दो पर

हिमाचल में दलबदलु विधायकों की पेंशन खत्म, सदन में विधेयक पारित

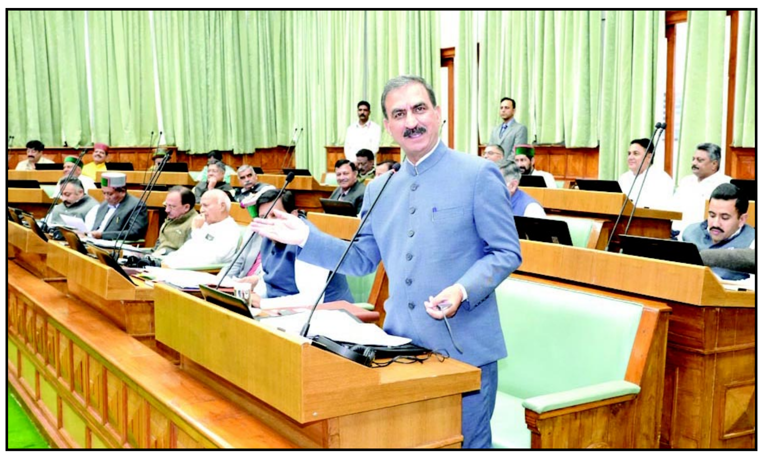

शिमला (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने एक ऐतिहासिक फैसला लेकर उन पूर्व विधायकों की पेंशन खत्म कर दी है, जिन्होंने इसी साल प्रदेश की कांग्रेस सरकार से बगावत की थी और बाद में भाजपा का दामन थाम लिया था। इस सम्बंध में बुधवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा सदस्यों के भत्ते और पेंशन अधिनियम संशोधन विधेयक पारित कर दिया। इस दौरान सदन में विपक्ष के सदस्यों ने विरोध जताया। विधेयक के पारित होने के बाद अब इसे राज्यपाल की मंजूरी को भेजा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद ही यह कानून बन जाएगा। अयोग्य विधायकों की पेंशन खत्म करने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस संशोधन विधेयक को मंगलवार को सदन में पेश किया। बुधवार को सदन में इस संशोधन विधेयक पर हुई चर्चा का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि सत्ता व कुर्सी सदैव साथ नहीं रहती। मगर राजनीति में सिद्धांत जिंदा रहते हैं। उन्होंने कहा कि दलबदल करने वाले सदस्यों की मुझसे नाराजी हो सकती है, मगर उन्होंने पार्टी को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के मकसद से संशोधन विधेयक को प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि विधायक रात को भोजन हमारे साथ करते हैं तथा सुबह वोट -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश पर रिपोर्ट में दावा

अल्पसंख्यकों का भविष्य खतरे में

नई दिल्ली (हि.स.)। सेंटर फॉर डेमोक्रेसी, प्लुरलिज्म एंड ह्यूमन राइट्स की हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बांग्लादेश में 5 जून के बाद हुए छात्र आंदोलन में अमेरिका का सीधा हाथ था। इसमें कहा गया है कि छात्र आंदोलन से पहले ही बांग्लादेश में अमेरिकी राजनयिकों और दूतों की भागीदारी बढ़ गई थी। साथ ही सत्ता परिवर्तन के बाद अब अल्पसंख्यकों का बांग्लादेश में भविष्य खतरे में है। सेंटर फॉर डेमोक्रेसी, प्लुरलिज्म एंड ह्यूमन राइट्स ने बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में बुधवार 4 सितंबर को रिपोर्ट जारी की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बांग्लादेश में अल्पसंख्यक वर्ग -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

महिला सशक्तिकरण के लिए महाराष्ट्र नया रोल मॉडल : राष्ट्रपति

मुंबई (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए महाराष्ट्र नया रोल मॉडल है। राजमाता जिजाऊ, सावित्रीबाई फुले सहित कई प्रतिष्ठित महिलाओं ने महाराष्ट्र में सामाजिक प्रगति की नींव रखी। सरकार ने अब महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मजबूत कदम उठाए हैं और उनकी आत्मनिर्भरता, निर्णय लेने की शक्ति को बढ़ाया है। महाराष्ट्र के गौरवशाली इतिहास की सराहना की और इस बात पर खुशी जताई कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। राष्ट्रपति मुर्मू बुधवार को लातुर में मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण मिशन के तहत *मुख्यमंत्री–मेरी प्यारी बहना* योजना, मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना को लेकर एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र सरकार की महिलाओं के लिए शुरू की गई *मुख्यमंत्री–माझी लडली बहन* योजना समेत अन्य योजनाओं की जानकारी ली। इसके अलावा राज्य में लखपति दीदी योजना की प्रतिक्रिया की भी समीक्षा की। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इन योजनाओं के स्पष्ट परिणाम दिख रहे हैं। प्रत्येक परिवार में आजीविका प्रबंधन में महिलाएं प्रमुख भूमिका निभाती हैं। इसलिए उन्होंने अपील भी की कि महिलाओं को राजनीतिक क्षेत्र में आगे आकर देश का नेतृत्व करना चाहिए। पुरुषों को अब महिलाओं की क्षमता को पहचानना चाहिए और उनके सपनों को साकार करने में उनका साथ देना चाहिए। साथ ही हमारी संस्कृति में महिलाओं का सम्मान करना पुरुषोचित माना गया है। यह सम्मान हर परिवार में दिखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को हर मोर्चे पर अग्रणी रहते हुए अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, ग्राम विकास और पंचायत राज, पर्यटन मंत्री और जिला संरक्षक मंत्री गिरीश महाजन, खेल और युवा कल्याण मंत्री संजय बनसोडे और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अदिति तटकरे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

नदी में डूबा युवक

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के कंपाडूलु इलाके में स्थित बोको नदी में एक युवक के डूब जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि बोको के दो नंबर भाकूआपाड़ा निवासी हार्दिक पाठक अपने आठ दोस्तों के साथ घूमने गया था। इसी दौरान वह नदी में डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम एसडीआरएफ की मदद से देर शाम तक अभियान चलाती रही। हालांकि, नदी में डूबे युवक का कुछ भी पता नहीं चल पायाा। अंधेरा होने की वजह से तलाशी अभियान में काफी कठिनाई आ रही थी। वहीं दूसरी ओर नदी में डूबने वाले युवक के साथ गए अन्य साथियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

मणिपुर में दो स्थानों पर गोलीबारी

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में दो स्थानों पर फिर से गोलीबारी हुई है। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि बीती रात चुराचांदपुर और बिष्णुपुर जिलों में गोलीबारी की ताजा घटनाएं हुई। कांगवई के पास फो–गाक–चाओ इखाई के आसपास के इलाकों में पहाड़ी की तरफ से दो दर्जन से अधिक गोलियां चलाई गईं। संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने बिष्णुपुर जिले के थिनुंगेई मानिंग और निंगथौखोंग मानिंग की ओर भी कई राउंड फायरिंग की। हालांकि, इस गोलीबारी में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। गोलीबारी के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

पूसीरे ने अगस्त माह में 1024 माल रेक किए अनलोड

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने अपने क्षेत्राधिकार के अधीन आने वाले राज्यों के कई स्थानों में वस्तुओं की आपूर्ति करने के क्रम में चालू वर्ष के अगस्त माह के दौरान मालगाड़ियों के 1024 रेकों की अनलोडिंग की है। पूसीरे ने अगस्त माह के दौरान एफसीआई से चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, खाद्यान्न, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, सब्जी, ऑटो, टैंक और अन्य सामग्रियों का परिवहन कर इसे अपने क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न गुड्स शेडों में अनलोड किया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर ने बुधवार को बताया है कि चालू वर्ष के अगस्त माह के दौरान असम में मालगाड़ियों के कुल 589 रेक अनलोड किए गए, जिनमें से 291 आवश्यक सामग्रियों से लोड थे। उक्त महीने के दौरान त्रिपुरा में 61 रेक, नगालैंड में 17 रेक, अरुणाचल प्रदेश में 10 रेक, मणिपुर में एक रेक और मिजोरम में तीन रेक अनलोड किए गए। इसके अलावा, अगस्त में पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन पश्चिम बंगाल में 204 फ्रेट रेक और बिहार में 139 फ्रेट रेक भी अनलोड किए गए थे।

इंसान का कटा हुआ पैर बरामद

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के गरौमारी इलाके में इंसान का एक कटा हुआ एक पैर बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि बुधवार की दोपहर को गरौमारी धिंग रोड के किनारे पॉलिथीन में लपेटकर फेंके गए इंसान का एक पैर देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने कटे हुए पैर को अपने कब्जे में ले लिया। इलाके में कटा हुआ पैर कैसे पहुंचा यह एक चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI

PULMONOLOGIST & ALLERGIST
DR. JEBIN ROGER S
MD-Pulmonology(CMC Vellore),DNB-Respiratory Med,Diploma in Allergy & Asthma (CMC Velllore)
Will be available only for consultation at **Guwahati**
ON 14th September'2024

Patients with dust Allergy, Cough/Cold, Phelgm/Wheezing, Shortness of Breath/Chest Pain, Lung infections/Water or pus in the Lungs, TB/Pneumonia, Sleep disorders, Breathing problems etc can register in advance

APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत, दो अन्य घायल

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव जिले के बइटामारी में आज हुई एक बाइक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान ज्योतिर्मय बर्मन के रूप में तथा घायलों की पहचान खंजन दत्त बरुवा और नयन राय के रूप में हुई है। नयन राय की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पल्सर बाइक (एएस– 19यू– 9670) पर सवार तीन युवक जा रहे थे। इसी दौरान तेज गति के कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया और बाइक बिजली के खंभे से जा टकरायी। परिणामस्वरूप, तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन बाद में ज्योतिर्मय बर्मन की मृत्यु हो गई। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

दो ठग गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के रंगापाड़ा इलाके से फर्जी वित्तीय प्रतिष्ठान के दो कर्मचारियों को पुलिस ने ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि शिकायत के आधार पर रंगापाड़ा और बालीपाड़ा इलाके में उजाला अमृत निधि लिमिटेड नामक फर्जी वित्तीय संस्थान के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रंगापाड़ा के ब्रजेश लिंबू और चिन्मय साहनी के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

एसएसबी की 24वीं वाहिनी ने किया अजगर सांप का रेस्क्यू

तामुलपुर (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 24वीं वाहिनी की सीमा चौकी बिमलानगर एवं वन विभाग चौकी बागरीखुटी नं–2 द्वारा आज एक सयुंक्त रेस्क्यू अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान भारत–भूटान सीमा से लगभग 5.5 किमी दूर भारतीय क्षेत्र में स्थित हस्तिनापुर गांव के समीप एक बड़े अजगर सांप जिसकी लम्बाई 8.4 फीट,वजन–12 किग्रा को रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू किए गए अजगर सांप को वन विभाग चौकी बागरीखुटी नं–2 को एसएसबी ने सौंप दिया। एसएसबी की 24वीं वाहिनी भारत–भूटान सीमा की सुरक्षा के अपने कर्तव्य के निर्वाहन हेतु निरंतर इस प्रकार के अभियान चला रही है। 24वीं वाहिनी द्वारा सीमा पर स्थानीय नागरिकों के साथ निरंतर बैठक कर उन्हें किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधि या अवैध तस्करी को देखे जाने पर नजदीकी एसएसबी सीमा चौकी या वाहिनी मुख्यालय को सूचित करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

2,200 करोड़ ऑनलाइन...

का एक बड़ा मामला सामने आया तो पुलिस को फुकन पर शक हुआ। डीबी स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी के मालिक दीपांकर बर्मन जब गायब हुए तो पुलिस के शक का दायरा विशाल पर और बढ़ गया, इस दौरान विशाल सोशल मीडिया पर अपने निवेशकों को भरोसा दिलाता रहा कि उनके पैसे सुरक्षित हैं। डिब्रूगढ़ पुलिस ने 2 सितंबर की रात फुकन के आवास पर छापा मारकर उसके मैनेजर बिप्लब सहित उसे गिरफ्तार कर लिया। दोनों पर ही गैर–जमानती मामले के तहत आरोप लगाए गए हैं, पुलिस ने घोटाले से जुड़े दस्तावेज भी जब्त कर लिए हैं।

गुवाहाटी पुलिस ने...

क्योंकि अधिकारी साजिश की पूरी हद तक पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। गुवाहाटी के सभी स्थानों पान बाजार, गांधीबस्ती, सतगांव और लास्ट गेट में विस्फोटकों की खतरनाक खोज ने सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है। एक खुलासा करने वाले संचार में, अल्फा (आई) ने स्वतंत्रता दिवस पर असम भर में बम विस्फोटों की एक श्रृंखला की योजना बनाने की बात स्वीकार की, लेकिन दावा किया कि तकनीकी मुद्दों ने विस्फोटकों को विस्फोट करने से रोक दिया था। इसके बाद, समूह ने 25 विस्फोटक उपकरणों के निर्देशांक प्रदान किए, जिससे छिपे हुए बमों को बरामद करने के लिए कानून प्रवर्तन द्वारा तत्काल खोज अभियान शुरू हो गया। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने खुलासा किया कि राज्य पुलिस ने जांच में काफी प्रगति की है। मामले की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए डीजीपी सिंह ने घोषणा की कि 15 अगस्त की घटना के संबंध में दर्ज दस मामलों में से दो को आगे की जांच के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया जाएगा। सिंह ने कहा कि हमने केंद्र सरकार से इन मामलों को एनआईए को सौंपने में तेजी लाने का अनुरोध किया है। डीजीपी सिंह ने यह भी पुष्टि की कि शिवसागर में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक को बम लगाने के ऑपरेशन में मुख्य भूमिका निभाने वाला माना जाता है। उन्होंने आगे की जानकारी न देकर जांच की अखंडता को बनाए रखते हुए अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। डीजीपी ने असम में कानून और व्यवस्था को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हाल की घटनाएं राज्य के विकास को कमजोर करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास प्रतीत होता है। सिंह ने कहा कि हालांकि मैं आम तौर पर राजनीतिक टिप्पणी से बचता हूं, लेकिन यह जरूरी है कि हम ऐसे खतरों का मुकाबला करने के लिए सख्त कानून और व्यवस्था लागू करें। इससे भविष्य में हमलों को रोकने और क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार का दृढ़ संकल्प झलकता है।

28 लोगों को डिटेंशन ...

इत्तेहादुल मुस्लिमीन) मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि असम बॉर्डर पुलिस बहुत पक्षपात करती है। लोगों को पकड़कर बताती है कि ये विदेशी हैं। असम का ये तरीका बहुत गलत है। एक ही परिवार में अगर छह लोग हैं तो उसमें एक विदेश नागरिक कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि वहां बॉर्डर पुलिस किसी को भी उठा लेती है। ये पूरी प्रक्रिया गलत है। पकड़े गए लोगों को डिटेंशन सेंटर में रख रहे हैं। अगर पुलिस के मुताबिक ये लोग बांग्लादेशी हैं तो इन्हें वहां भेजिए ना। सच तो ये है कि बांग्लादेश इन लोगों को लेगा नहीं। असदुद्दीन ओवैसी ने हरियाणा के फरीदाबाद में आर्यन मिश्रा की हत्या मामले में भी रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा कि ये गाय रक्षक नहीं, राक्षस हैं। हरियाणा पुलिस ने इनको छूट दे रखी है। इन लोगों के रोकने पर वो बच्चा (आर्यन) नहीं रुका तो उसे गोली मार दी गई। अब कह रहे हैं कि गलती से ब्राह्मण को गोली मार दी। बताया जा रहा है कि बरपेटा जिले के अलग–अलग क्षेत्रों के 28 लोगों को थाने बुलाया गया था। इसके बाद सभी को पुलिस अधीक्षक कार्यालय ले जाया गया। वहां से ग्वालपाड़ा स्थिति डिटेंशन कैंप भेज दिया गया। इन लोगों के पास भारतीय होने के कागजात नहीं थे। इनको असम पुलिस ने नोटिस भी दिए थे। साथ ही मामला विदेशी न्यायाधिकरण को भेजा गया था।

ऊपरी असम के लोगों ...

करते हुए कहा कि इससे ऊपरी असम के लोगों को काफी मदद मिलेगी। निवासी अब लंबी दूरी की यात्रा की परेशानी के बिना आसानी से मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। डिब्रूगढ़ के विधायक प्रशांत फुकन ने इस पहल का श्रेय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को दिया और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्रीय विकास के दृष्टिकोण से जोड़ा। फुकन ने जोर देकर कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य सत्ता का विकेंद्रीकरण करना है और ऊपरी असम के लोग दिसपुर जाए बिना आसानी से अपनी समस्या का समाधान यहां कर सकते हैं।

त्रिपुरा में शाह की ...

उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है और अपने हथियार डाल दिए हैं। इसके साथ वह अब मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। आज एनएलएफटी और एटीटीएफ के आत्मसमर्पण और समझौते के साथ ही लगभग 328 से अधिक सशस्त्र कैडर मुख्यधारा में शामिल हो जाएंगे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में हस्ताक्षरित सभी शांति समझौतों को सरकार द्वारा लागू किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा घोषित 2500 करोड़ रुपए के विकास पैकेज को पूर्वोत्तर में लागू किया गया है। शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उग्रवाद, हिंसा और संघर्ष से मुक्त विकसित पूर्वोत्तर के सपने को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति और समृद्धि लाने के लिए 12 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से तीन त्रिपुरा से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों के कारण करीब 10000 लोग हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं।नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) एक उग्रवादी संगठन है। केंद्र सरकार ने 1997 में एनएलएफटी और एटीटीएफ को गैरकानूनी घोषित करते हुए प्रतिबंध लगा दिया था। वर्ष 2019 में इन संगठनों पर प्रतिबंध को 5 के लिए बढ़ाया गया और फिर पिछले साल 2023 में इसपर लगा प्रतिबंध फिर से बढ़ाया गया था। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया था कि एनएलएफटी और एटीटीएफ का मकसद पूर्वोत्तर राज्य के अन्य सशस्त्र अलगाववादी संगठनों के साथ मिलकर हथियार के बल पर त्रिपुरा को भारत से अलग करके एक स्वतंत्र राष्ट्र की स्थापना करना है। यह दोनों संगठन हिंसक गतिविधियों में शामिल रहे हैं और यह लोगों के बीच आतंक और हिंसा फैला रहे हैं, इसलिए इनपर प्रतिबंध लगाया गया है। उधर शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद मुख्यमंत्री साहा ने कहा कि मैं गृहमंत्री शाह का आभार जताना चाहता हूं, जिन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और सद्भावना का माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह की सक्रिय पहल पर पिछले दस वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए कई शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। त्रिपुरा के लिए अब तक तीन समझौते किए गए हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि एनएलएफटी और एटीटीएफ के सदस्यों ने मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री शाह के मार्गदर्शन में त्रिपुरा में सभी लोगों का भविष्य उज्ज्वल है।

बादल फटने से ...

कर रही है। मैं मृतकों के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। इस घटना में मृतकों की पहचान ख्रीसंगुली (46), समीर दत्त (43), अनहियू (57, महिला), दाजू (60), सपन विश्वास (32) और विजय (28) के रूप में हुई है। खबर लिखे जाने तक घायलों में रुजुओजी (36, महिला), सुहेल अकरम (38) तथा अनिल चौधरी (27) शामिल हैं। इस भूस्खलन के बाद आवश्यक वस्तुओं और ईंधन की संभावित कमी के बारे में बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए एक तत्काल नोटिस जारी किया है। जिला प्रशासन के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग–29 के एक हिस्से को भूस्खलन से प्रभावित होने के बावजूद वर्तमान में आवश्यक वस्तुओं या ईंधन की कोई कमी नहीं है। प्रशासन ने आश्वासन दिया कि वैकल्पिक मार्गों के माध्यम से इन महत्वपूर्ण वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखी जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे ...

मेडिकल कॉलेज में कथित वित्तीय कदाचार की चल रही जांच के तहत घोष को तीन अन्य लोगों के साथ आठ दिनों के लिए सीबीआई की हिरासत में भेज दिया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने यह तर्क देते हुए 10 दिन की हिरासत की मांग की थी कि भ्रष्टाचार के मामले में एक बड़ा सांठगांठ शामिल है, जिसके लिए आगे की जांच की आवश्यकता है। सीबीआई ने अलीपुर जज कोर्ट के समक्ष दलील दी। हमने अभी चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक बड़ा सांठगांठ है जिसे उजागर करने की जरूरत है, और इसलिए हम उनसे पूछताछ की मांग कर रहे हैं। पूरे सांठगांठ का खुलासा करने के लिए हमें उनकी हिरासत की जरूरत है।

विस्तारवाद की नहीं...

ने हमेशा आसियान (दक्षिण–पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) को प्राथमिकता दी है और आगे भी ऐसा करता रहेगा। ब्रुनेई की द्विपक्षीय यात्रा पर आने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम यूएनसीएलओएस (समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि) जैसे अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के तहत नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं। दोनों नेताओं की वार्ता के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया। बयान के अनुसार कि दोनों नेताओं ने शांति, स्थिरता, समुद्री रक्षा और सुरक्षा को बनाए रखने एवं बढ़ावा देने के साथ नौवहन एवं उड़ान की स्वतंत्रता का सम्मान करने एवं अंतर्राष्ट्रीय कानून विशेष रूप से यूएनसीएलओएस, 1982 के अनुरूप निर्बाध वैध व्यापार की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने सभी पक्षों से अंतर्राष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से यूएनसीएलओएस 1982 के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से विवादों को सुलझाने का आग्रह किया। मोदी ने ब्रुनेई को भारत की *एक्ट ईस्ट* नीति और हिंद–प्रशांत के लिए दृष्टिकोण में एक *महत्वपूर्ण साझेदार* बताया और कहा कि सुल्तान के साथ उनकी बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई तथा दोनों पक्ष व्यापार संबंधों, वाणिज्यिक संबंधों और लोगों के बीच आदान–प्रदान को और आगे बढ़ाने जा रहे हैं। मोदी ने कहा कि भारत और ब्रुनेई के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर हमने अपने संबंधों को साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार और निवेश, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण, संस्कृति के साथ–साथ लोगों के बीच आदान–प्रदान सहित कई विषयों पर द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी), फिनटेक, साइबर सुरक्षा, नई और उभरती प्रौद्योगिकियों और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावना तलाशने और उसे आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। मोदी ने कहा कि हमने अपनी साझेदारी को रणनीतिक दिशा देने के लिए अपने संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक बातचीत की। हम आर्थिक, वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षेत्रों में अपने सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने कृषि–उद्योग, दवा और स्वास्थ्य क्षेत्रों के साथ–साथ फिनटेक और साइबर सुरक्षा में अपने सहयोग को मजबूत करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हमने एलएनजी (तरल प्राकृतिक गैस) के क्षेत्र में दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। अपने रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए हमने रक्षा उद्योग, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहयोग की संभावनाओं पर रचनात्मक बातचीत की। अंतरिक्ष क्षेत्र में अपने सहयोग को मजबूत करने के लिए हमने उपग्रह विकास, रिमोट सेंसिंग और प्रशिक्षण में सहयोग पर सहमति व्यक्त की है। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार–विमर्श किया। उन्होंने आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की और देशों से इसे खारिज करने का आह्वान किया। उन्होंने आसियान–भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी क्षेत्रों में मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

राइफल–ग्रेनेड लेकर ...

पर 50 से अधिक चरमपंथी रविवार शाम को योबे राज्य के तरमुवा परिषद क्षेत्र में घुस आए और इमारतों में आग लगाने से पहले गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने इस हमले के लिए बोको हराम को जिम्मेदार ठहराया है, जिसने 2009 से इस क्षेत्र में इस्लामी कानून या शरिया की अपनी कट्टरपंथी व्याख्या स्थापित करने के लिए विद्रोह शुरू कर दिया है। इसके बाद से बोको हराम अलग–अलग गुटों में बंट गया है, जिससे कम से कम 35,000 लोगों की प्रत्यक्ष मौत हुई है और 2 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, साथ ही मानवीय संकट पैदा हो गया है और लाखों लोगों को विदेशी सहायता की सख्त जरूरत है। उमर ने कहा कि हम अब तक लोगों की तलाश कर रहे हैं क्योंकि कई लोग अब भी लापता हैं। रविवार को हुआ हमला योबे में पिछले साल हुए सबसे घातक हमलों में से एक है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि चरमपंथियों ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि यह हमला ग्रामीणों द्वारा सुरक्षाकर्मियों को उनकी गतिविधियों के बारे में सूचना देने के प्रतिशोध में किया गया है।

राजस्थान में बेटे ने ...

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसने शुरुआती पूछताछ में अपना जुर्म कबूल किया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता बेटे के साथ अपने भाई के घर गई थी लेकिन दोनों जब वापस लौट रहे थे, तो आरोपी व्यक्ति ने सुनसान जगह पर अपनी मां से दुष्कर्म किया। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) तरुणकांत सोमानी ने कहा कि हमने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हिमाचल में दलबदलु विधायकों ...

कहीं और देते हैं। उन्होंने स्वच्छ लोकतंत्र के लिए संशोधन विधेयक का समर्थन करने का आग्रह सदन से किया ताकि भविष्य में कोई दलबदल की हिम्मत न कर सके। भाजपा के राकेश जम्वाल ने विधेयक पर दिए गए संशोधन पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि संशोधन विधेयक को जल्दबाजी में पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि विधेयक बैक डेट से कैसे लागू हो सकता है। लिहाजा सरकार को हर विषय पर विचार करना चाहिए। भाजपा के ही रणधीर शर्मा ने विधेयक को बदले की भावना से पेश किया गया करार दिया। उन्होंने बीते फरवरी माह के राजनीतिक घटनाक्रम व राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग का उल्लेख करते हुए कहा कि सदस्यों ने कोई दलबदल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इस संशोधन से मकसद पूरा नहीं होने वाला। मुख्यमंत्री को आत्मचिंतन करना चाहिए कि विधायक क्यों नाराज थे। उन्होंने विधेयक को प्रवर समिति को भेजने का आग्रह किया। चर्चा के दौरान राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि दलबदल से लोकतंत्र कमजोर होता है। दलबदल कर सरकार गिराने की घिनौनी हरकत करने वालों को सजा मिलनी चाहिए। नेगी ने भी विधेयक को प्रवर समिति को भेजने की बात कही। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि इस संशोधन विधेयक से राजनीतिक प्रतिशोध की बू आ रही है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा वोटिंग में भाजपा की सदस्यता कांग्रेस विधायकों ने नहीं ली। व्हिप की अवहेलना पर कार्रवाई विधानसभा अध्यक्ष ने की। इसके बाद अयोग्य करार दिए गए विधायक भाजपा के सदस्य बने। लिहाजा वे संविधान के शेड्यूल दस की परिधि में नहीं आते। चर्चा में कांग्रेस के संजय अवस्थी व भाजपा के विपिन सिंह परमार तथा आशीष शर्मा ने भी भाग लिया। इस संशोधन विधेयक में की गई सिफारिशों के लागू होने के बाद दो पूर्व विधायकों गगरेट से चैतन्य शर्मा और कुटलैहड़ से देवेंद्र कुमार भुट्टो की पेंशन बंद हो जाएगी, क्योंकि ये दोनों पहली बार विधायक बने थे। वहीं चार अन्य पूर्व विधायकों धर्मशाला से सुधीर शर्मा, सुजानपुर से राजेंद्र राणा, बड़सर से इंद्र दत्त लखनपाल, लाहौल स्पीति से रवि ठाकुर की इस टर्म की पेंशन रुक जाएगी। खास बात यह है कि इस प्रस्तावित विधेयक के अनुसार, जिन्हें संविधान के शेड्यूल–10 के हिसाब से अयोग्य घोषित किया गया है। उनसे 14वीं विधानसभा के कार्यकाल की पेंशन व भत्तों की रिकवरी भी की जा सकती है। गौरतलब है कि विधानसभा के बजट सत्र के दौरान वित्त विधेयक को पास करने के दौरान सत्ता पक्ष के छह सदस्य सदन से गैरहाजिर रहे थे और उन्होंने पार्टी व्हिप का उल्लंघन किया था। इस आधार पर विधानसभा अध्यक्ष ने संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान के प्रस्ताव पर इन छह सदस्यों के खिलाफ सदस्यता से अयोग्य घोषित किए जाने का फैसला सुनाया था। कांग्रेस के छह बागी विधायकों में चैतन्य शर्मा और देवेंद्र भुट्टो पहली बार विधायक बने थे।

अल्पसंख्यकों का भविष्य ...

और हिंदूओं पर हो रहे अत्याचारों पर विस्तार से जमीनी स्थिति की जानकारी देना था। कार्यक्रम में पूर्व सांसद एवं विशिष्ठ पत्रकार स्वपन दासगुप्ता मुख्य अतिथि थे एवं बीइंग हिंदू इन बांग्लादेश के लेखक और पत्रकार दीप हलदर तथा प्रख्यात पत्रकार एवं लेखक अभिजीत मजूमदार सम्मानित अतिथियों के रुप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे। नई रिपोर्ट में कहा गया है कि 05 जून को कोटा मुद्दे पर शुरू हुए प्रदर्शनों ने एक बड़े राजनीतिक आंदोलन का रूप ले लिया, जिसमें धार्मिक अल्पसंख्यकों पर व्यापक रूप से हमले हुए। अमेरिकी डीप स्टेट की भागीदारी ने समस्या की गंभीरता एवं जटिलता का विस्तार दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीप हलदर ने कहा कि शेख हसीना ने बांग्लादेश में हिंदुओं को जो सुरक्षा प्रदान की थी, वह अब समाप्त हो चुकी है। उनके शासनकाल में भी हिंदुओं पर हमले हुए थे और आज उन अल्पसंख्यक हिन्दू परिवारों की सहायता के लिए शायद कोई भी नहीं है। वैश्विक समुदायों को बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों का पर्यवेक्षण करते हुए उनकी परिस्थितियों में सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न शेख हसीना सरकार के समय में भी हुआ। मदरसा युवाओं के मन में अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत फैलाने के संगठन के रूप में कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि अभिजीत मजूमदार ने कहा कि बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति भारत सरकार एवं भारतीय हिन्दू समाज की विफलता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने बीएनपी एवं जमात के अलावा किसी तीसरे विकल्प के विषय में नहीं सोचा और इसी के फलस्वरूप संपूर्ण देश बिखर गया। जिस तरह से भारत ने तालिबान और अफगान सरकार दोनों के साथ मैत्री स्थापित की थी यदि बंगलादेश में भी अन्य विकल्पों पर ध्यान दिया गया होता तो परिस्थिति इतनी नकारात्मक नहीं होती। डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा ने कहा कि इस्लामीकरण इतना बढ़ चुका है कि संपूर्ण देश एक ज्वालामुखी के ऊपर बैठा सा प्रतीत हो रहा है जिसमें किसी भी समय विस्फोट हो सकता है। यह बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के लिए अत्यधिक घातक साबित होगा। वर्तमान परिस्थिति से यह स्पष्ट है की बांग्लादेश अल्पसंख्यक हिंदुओं, बौद्धों, जैनों, सिक्खों, ईसाइयों एवं मुसलमानों के जीवन यापन हेतु सर्वथा अनुपयुक्त है। विभिन्न राष्ट्रों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों व संस्थाओं के द्वारा यदि कोई अच्छा कदम नहीं उठाया गया तो आने वाले समय में हिंदू समेत सभी अल्पसंख्यक बांग्लादेश ससे धीरे–धीरे खत्म हो जाएंगे।

कृष्ण जन्मभूमि मामला...

पक्ष की दलीलों को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। लेकिन, हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। हाई कोर्ट के एक अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका शाही मस्जिद ईदगाह की प्रबंधन ट्रस्ट समिति द्वारा अधिवक्ता आरएचए सिकंदर के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है। सिकंदर ने कहा कि याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है। गौरतलब है कि एक अगस्त को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मथुरा में मंदिर–मस्जिद विवाद से संबंधित 18 मामलों की पोषणीयता को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया और फैसला सुनाया कि शाही ईदगाह के *धार्मिक चरित्र* को निर्धारित करने की आवश्यकता है। हाई कोर्ट ने मस्जिद पक्ष की इस दलील को खारिज कर दिया था कि कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के विवाद से संबंधित हिंदू वादियों द्वारा दायर किए गए मुकदमे पूजा स्थल (विशेष प्रविधान) अधिनियम का उल्लंघन करते हैं। इसलिए ये मुकदमे सुनवाई योग्य नहीं हैं।

कनाटक में महामारी ...

के लिए उपाय करने में विफल रहते हैं, उनपर भी कार्रवाई होगी। सरकार ने कर्नाटक महामारी रोग विनियमन 2020 में संशोधन भी पेश किए हैं, जिसमें लोगों को वेक्टर जनित रोग के प्रसार को रोकने में अधिक जिम्मेदार होने का आदेश दिया गया है। संशोधन में तीन श्रेणियों – घरेलू, वाणिज्यिक और सक्रिय निर्माण क्षेत्रों में दंड का प्रस्ताव है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के घरों के लिए सरकार ने जुर्माना 400 रुपए और 200 रुपए होगा।

अवैध रूप से असम में घुसे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने भेजा उनके देश

गुवाहाटी (हिंस)। बांग्लादेश की हिंसा प्रभावित स्थिति के चलते वहां के नागरिक अवैध रूप से भारत में घुसपैठ करने की फिराक में हैं। इसी कड़ी में असम पुलिस ने आज पांच बांग्लादेश से अवैध रूप से असम में भारत की सीमा से घुसपैठ करने वालों को पकड़ने के बाद पुन: उनके देश भेज दिया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है कि हमारे असम पुलिस के जवान भारत-बांग्लादेश सीमा पर लगातार निगरानी रख रहे हैं और घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने के लिए सतर्क हैं। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से

असम में घुसपैठ करने वाले पांच बांग्लादेशी नागरिकों को तड़के ही पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ के बाद उन्हें वापस बांग्लादेश में खदेड़ दिया गया। पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान अफरोजा जहीरुल सरदार, टुम्पा हक, रिदोय एसके, अखी एसके और लखीपुर अख्तर के रूप में की गई है।

छात्रा ने फंदे से लटककर दी जान

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के मौराबारी इलाके में 18 साल की एक छात्रा द्वारा फंदे से लटककर आत्महत्या किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने आज बताया कि जिले के मौराबारी के दूरबंधी गांव के मफिज उद्दीन की बेटी अंजुम बेगम फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। मृत छात्रा के भाई ने बताया कि प्रेम प्रसंग के चलते उसने आत्महत्या की है। मृतक छात्रा उच्चतर माध्यमिक की प्रथम वर्ष की छात्रा थी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची मौराबारी पुलिस ने मृत छात्रा के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोरीगांव सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है

आज लखीमपुर के दौरे पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा

लखीमपुर (हिंस)। अपने चार दिवसीय ऊपरी असम के पांच जिलों के दौरे के दूसरे दिन आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा लखीमपुर पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर लखीमपुर में लिगेसी वेस्ट की जल निकासी के लिए उठाए गए कदमों से सुमदिरी नदी का कायाकल्प होगा और इसे नवजीवन मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया ने 16 बीघा भूमि को पुनर्जीवित करने में मदद की है। इस भूमि को अब अर्बन फॉरेस्ट रिट्रीट जोन में उन्नत किया जाएगा। इसका मुख्य लक्ष्य पर्यावरण को संतुलित बनाना है। लगभग 5.5 एकड़ भूमि को कवर करने वाले इस शहरी वन में *मियावाकी* तकनीक का उपयोग करके लगाए गए स्वदेशी किस्म के पौधे, पैदल चलने और साइकिल चलाने के मार्ग और बुनियादी सार्वजनिक सुविधाएं, फूड कोर्ट और अन्य मनोरंजक सुविधाएं होंगी। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि लखीमपुर में आज उन्होंने कचरा निपटान मशीन का उद्घाटन किया है। इससे स्वच्छता की दिशा में बड़ी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि यहां बस टर्मिनस बन रहा है। अगले अगस्त तक यह बनकर तैयार हो जाएगा। साथ ही, लखीमपुर स्टेडियम के दो चरण का काम भी अगस्त तक पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राय: चार सौ करोड़ रुपए लागत वाली

ढकुवाखाना के घुनाखुटी पुल का काम बाढ़ के कारण अबतक धीमी गति से हुआ है। इस सीजन में काम तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि इसमें 42 फाइलिंग होंगे, जिसे वेल पाइल कहते हैं। इन सभी पाइलिंगों को बरसात आने से पहले बनाने की कोशिश की जाएगी, ताकि बाढ़ आने की स्थिति में भी ऊपर का काम जारी रहे। इसका कनेक्टिंग रोड प्राय: अपने स्वरूप में आ चुका है। वहीं, आरओबी के लिए वे आज भूमि देखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखीमपुर में जितनी भी परियोजनाएं चल रही हैं, आज उन्होंने उनका निरीक्षण किया है। योजनाओं के सिलसिले में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए हैं।

नगरबेड़ा : महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की तिरोभाव तिथि पर निकली सांस्कृतिक शोभायात्रा

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको-छायगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन, नगरबेड़ा की पहल पर जगतगुरु महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की तिरोभव तिथि आज रंगारंग कार्यक्रम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सुबह निकेतन की शासी निकाय की अध्यक्ष नृपेन कलिता द्वारा ध्वजारोहण किया गया और निकेतन के प्राचार्य खर्णींद्र चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित किया। इसके बाद निकेतन के आचार्य और छात्रों ने विशाल सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली। दोपहर में निकेतन परिसर में नाम संदर्भ आदि आयोजित किए जाते हैं।

मेरापानी में लोगों ने ड्रग्स तस्करों को पकड़कर पुलिस को सौंपा

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले में मेरापानी सीमा पर ड्रग्स तस्करों का पीछा करते हुए उसे पकड़ कर लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि मेरापानी थाना अंतर्गत नेघेरीबिल मुस्लिम गांव नंबर दो के लोगों ने दो तस्करों को पकड़ा। बीती रात गांव के ग्राम रक्षक वाहिनीऔर जनता ने मिलकर दो नशा तस्करों को ड्रग्स के साथ पकड़ा। तस्करों की पहचान मेरापानी के अलिफत अली और नौजान के सिराजुल अली के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने कंटेनर में भरा ब्राउन शुगर भी जब्त कर लिया। ग्राम रक्षकों के अनुसार, दो बाइक पर चार सप्लायर नशे से भरे कई कंटेनर लेकर आए थे, लेकिन उनमें से दो अंधेरे का फायदा उठाकर ड्रग्स लेकर भागने में सफल रहे।

जाटिंगा से हरंगाजाओ के बीच एनएच 27 पर भारी वाहनों पर अस्थायी रोक

गुवाहाटी (हिंस)। लगातार बारिश व भूस्खलन और निर्माण कार्यों के चलते असम के डिमा हसाओ जिले में प्रशासन ने यातायात को लेकर कुछ दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं। मुख्य रूप से भारी सामान लेकर चलने वाले वाहनों को इस मार्ग का उपयोग नहीं करने की चेतावनी जारी की है। प्रशासन के दिशानिर्देश के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के जाटिंगा से हरंगाजाओ के बीच के क्षेत्र में लंबे ट्रक एवं ट्रेलर (24 फीट से ज्यादा लंबाई वाले) सहित 12 या उससे ज्यादा पहियों वाले भारी वाणिज्यिक वाहनों के चलने पर अस्थायी रूप से रोक लगा दिया गया है। आदेश में बताया गया है कि जाटिंगा से हरंगाजाओ राष्ट्रीय राजमार्ग के बदले बराक घाटी और आगे की ओर आने-जाने वाले सभी भारी वाहन यानी 12 चक्का या उससे ज्यादा पहिए वाले और लंबे ट्रक तथा ट्रेलर को अगले आदेश तक मेघालय (राष्ट्रीय राजमार्ग-6) के जरिए वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है।

होजाई में भीषण अग्निकांड, लाखों का नुकसान

होजाई (निसं)। होजाई शहर के लालपट्टी स्थित खुशबू होटल में आज शाम लगी भीषण आग से लगभग लाखों से भी ज्यादा का नुकसान हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आग की वजह से चार दुकान व एक घर को काफी नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों ने आग की खबर लगते ही अग्नि शामन विभाग को जानकारी दी। रेस्पॉन्डिंग टीम कमांडर सत्येंद्र लांगतासा कि नेतृत्व में चार दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची और लगभग 1 घंटे की कढ़ी मशकत के बाद अग्नि पर काबू पाया। तब तक खुशबू होटल, मां मेडिकल स्टोर, संतोष सरावगी की दुकान व घर, स्वस्तिक ट्रेडर्स व निशांत ट्रेडर्स को भारी नुकसान हुआ। इस संवाददाता से बात करते हुए फायर ब्रिगेड के रेस्पॉन्डिंग टीम कमांडर सत्येंद्र

लांगतासा ने बताया यह शहर के लाल पट्टी में खुशबू होटल पर 5 बजे के करीब आग की सूचना प्राप्त हुई और हमारी चार गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया हमें संदेह है कि शॉर्ट सर्किट के कारण यह आग लगी होगी। वही खुशबू होटल के मालिक निरंजन सरावगी ने बताया कि लगभग 50 लाख से भी ज्यादा का नुकसान हुआ है। अभी अनुमान लगाना मुश्किल है। पूरी जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि आग किस वजह से लगी थी व कितना नुकसान हुआ है। गौरतलब है, होजाई के विधायक रामकृष्ण घोष व भाजपा के जिला अध्यक्ष अनूप देव भी घटना स्थल पर पहुंचे व स्थिति का जायजा लिया।

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पार्ट टाइम मुख्यमंत्री : भूपेन बोरा

लखीमपुर (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा एक पार्ट टाइम मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जून माह से लेकर अबतक मुख्यमंत्री का आधा समय झाड़खंड राज्य में बीता है। उन्होंने कहा कि झाड़खंड का डॉ. शर्मा को प्रभारी बनाए जाने के दो कारण हैं। पहला कारण तो यह कि वे काफी नीचे उतरकर अमर्यादित तरीके से सांप्रदायिक बातें बोल सकते हैं। दूसरा कारण यह है कि डॉ. शर्मा को जहां तक हो सके नीचे उतरकर तोड़-फोड़ करके सत्ता हासिल करने में महारत हासिल है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि डॉ. शर्मा को भ्रष्टाचार करने का लाइसेंस दिया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 13 वर्षों तक असम में असम समझौता क्रियान्वयन मंत्री, शिक्षा मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री आदि पदों पर रहते हुए उन्होंने कुछ भी काम नहीं किया। आज भी छह जनजातियों के जनजातिकरण से संबंधित मुद्दा

लंबित है। इससे संबंधित जस्टिस बिप्लब शर्मा कमेटी की रिपोर्ट को उन्होंने दबाकर रखा है। हर तरफ राज्य में अराजक स्थिति बनी हुई है, लेकिन मुख्यमंत्री अपने दिल्ली के आकाओं को खुश करने के लिए झाड़खंड में अपना समय व्यतीत कर रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा पर कई आरोप लगाए।

बीटीसी का विकास हमारी पहली प्राथमिकता है : प्रमोद बोड़ो

कोकराझाड़। बीटीआर संगठनों की समन्वय समिति (सीसीबीटीआर) और बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) सरकार के बीच आज कोकराझाड़ तारामंडल और विज्ञान केंद्र सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सामाजिक-आर्थिक विकास में तेजी लाने, शिक्षा को आगे बढ़ाने और बीटीआर क्षेत्र में सामुदायिक विकास को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। चर्चा मुख्य चुनौतियों पर केंद्रित थी, जिसमें स्कूलों में शैक्षिक बुनियादी ढांचे और शिक्षक-छात्र अनुपात में सुधार, भूमि संबंधी मुद्दे,

सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में वृद्धि, शांति और सद्भाव, बीटीआर समझौते का कार्यान्वयन और नशीली दवाओं, जुआ, बाल विवाह, बलात्कार और मानव तस्करी जैसे असामाजिक मुद्दे शामिल थे। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने चर्चा के दौरान उठाई गई विभिन्न चिंताओं को संबोधित किया और उन्हें हल करने के लिए परिषद के चरण-दर-चरण दृष्टिकोण पर जोर दिया। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने कहा कि बीटीआर का सामाजिक-आर्थिक, शिक्षा और सामुदायिक विकास हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बोड़ोलैंड हैप्पीनेस मिशन पर भी प्रकाश डाला, जिसके तहत संगठनों को अपने-अपने जनजातियों के सामने आने वाले मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा, जिसका विश्लेषण विशेषज्ञ टीमों द्वारा किया जाएगा। 2025 तक, बीटीआर सरकार का लक्ष्य प्रत्येक समुदाय की जरूरतों के अनुरूप एक विजन और मिशन दस्तावेज तैयार करना है। बीटीसी के ईएम रंजीत बसुमतारी, सीईएम और एमसीएलए के राजनीतिक सचिव माधव चौधरी छेत्री, बीटीसी के संयुक्त सचिव रिंटू चौधरी बोड़ो, शिक्षा निदेशक जेपी ब्रह्मा और अन्य अधिकारी बैठक में शामिल हुए। विभिन्न आदिवासी और गैर-आदिवासी समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 26 संगठनों ने चर्चा में भाग लिया।

शिशु यौन शोषण का आरोपी गिरफ्तार

माजुली (हिंस)। पुलिस ने माजुली नदी द्वीप जिला में शिशु यौन शोषण के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना पूर्वी माजुली के बनगांव थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने आज बताया कि प्रदीप दास नामक एक शख्स छह साल की बच्ची को जंगल में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। घटना मंगलवार की बताई गई है। माजुली पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर आरोपी प्रदीप दास को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में माजुली थाना में धारा 32/24 यू/एस 65 (2) बीएनएस आरडब्ल्यू धारा 4 पोस्को के तहत मामला दर्ज किया गया है।

चेतना लेडीज क्लब ने लगाई छठी शीतल पेयजल मशीन

गुवाहाटी। महिलाओं की अग्रणी संस्थाओं में से एक चेतना लेडीज क्लब की ओर से पिछले दो महीनों से महानगर के अलग अलग स्थानों पर जरूरत अनुसार शीतल पेयजल मशीन स्थापित करने का बीड़ा उठाया गया है। इसी के मद्देनजर क्लब की ओर से आज छठी शीतल पेयजल मशीन गणेश गुड़ी स्थित गणेश मंदिर में लगाई गई। इस मशीन का अनावरण दानदाता श्रीमती जानकी चांडक ने किया। इस दौरान दानदाता परिवार से प्रियंका चांडक व नेहा राठी मौजूद थी। क्लब की अध्यक्ष आशा अग्रवाल ने बताया कि मंदिर में रोजाना बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। ऐसे में उन्हों शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मानव सेवा का यह कार्य किया गया है। क्लब की सचिव रेणु

मंगलुनिया ने बताया कि आगामी गणेश चतुर्थी से पूर्व इस मशीन के स्थापित होने से वहां आने वाले बड़ी संख्या में भक्तगण शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल का लाभ ले पाएंगे। कोषाध्यक्ष सुनिता सियोटिया ने बताया कि क्लब की ओर से दानदाता परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया गया। वरिष्ठ सदस्य मंजू जालान ने बताया कि इस मौके पर गणेश गुड़ी गणेश मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने भी क्लब के इस कार्य की सराहना की। इस दौरान अध्यक्ष आशा अग्रवाल, सचिव रेनु मंगलुनिया, कोषाध्यक्ष सुनिता सियोटिया, मंजू जालान, रेनु मोदी, कुसुम जालान, दीपा सियोटिया, कविता पटवारी, मीना धानुका, कविता निमोदिया सहित अन्य सदस्याएं मौजूद थे।

असम के राज्यपाल ने श्रीमंत शंकरदेव को दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज राजभवन में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव गुरु की तिरुभाव तिथि (पुण्यतिथि) के अवसर पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमंत शंकरदेव के अद्वितीय योगदान को याद करते हुए, राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं श्रीमंत शंकरदेव के पवित्र चरणों में गहरी श्रद्धा के साथ नमन करता हूं। गुरुजन ने न केवल एक सरन नाम धर्म के दिव्य सार के माध्यम से असमिया साहित्य और संस्कृति की मजबूत नींव रखी, बल्कि जाति, पंथ और सामाजिक भेदों की बाधाओं को भी खत्म कर दिया। मानवता के लिए संकट के दौर में श्रीमंत शंकरदेव ने एक सशक्त समाज की स्थापना की जो आज भी हमें प्रेरित करता है। उन्होंने लोगों से गुरुजन की शिक्षाओं को अपनाने का आग्रह किया और कहा कि श्रीमंत शंकरदेव के दर्शन और शिक्षाएं सभी कमियों और समस्याओं का उत्तर हैं। राज्यपाल ने कहा कि आइए हम सभी श्रीमंत शंकरदेव के दर्शन के तहत एकजुट हों और असम के लिए अपने सपनों को एकता के सूत्र से बुनें, अपने राज्य को उसके गौरव के शिखर पर ले जाएं।

चिरांग में फिर नबालिग के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के बासुगांव में आज एक और नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। उल्लेखनीय है कि इसी जिले के रुनीखाताा में मंगलवार को हुए गैंगरेप के बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की तरह ही बासुगांव में गोपाल बर्मन नामक आरोपी का रेप का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पीड़ित नाबालिग के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर बासुगांव थाना पुलिस ने आरोपी गोपाल बर्मन को गिरफ्तार कर लिया है।

नगांव : दो दिवसीय श्री राणी सती महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न

नगांव (निसं)। श्री राणी सत्संग समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय दादी महोत्सव मंगलवार को महा आरती व प्रसाद वितरण के साथ शनिवार मंदिर रोड स्थित श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन में संपन्न हुआ। आयोजन स्थल को भव्य रूप से सजाया गया और दादी जी के साथ श्री गणेश जी व श्री हनुमान जी महाराज का दरबार बैठाया गया। दरबार को आलौकिक श्रृंगार कर सजाया गया जो आगंतुक भक्तों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा। सोमवार को श्री राणी सती दादी जी की विशेष पूजा अर्चना के बाद ज्योति प्रज्ज्वलित की गई जिसमे सभी भक्तों ने श्रद्धा-भाव से आहुति प्रदान कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। रात्रि भजन कार्यक्रम में कोलकाता से आमन्त्रित कलाकार कृष्ण अग्रवाल ने बाद में रिंकी गुप्ता ने दादीजी सहित अन्य देवी-देवताओं के सानदार भजन प्रस्तुत कर सभी भक्तों को झुमाए रखा। दादीजी के परंपरागत चुनड़ी,मेहंदी व गजरा भजन भी प्रस्तुत कर माहौल को दादीमय कर दिया। महोत्सव के दूसरे दिन

मंगलवार को दोपहर तीन बजे से संगीतमय मंगलपाठ पाठ का आयोजन किया गया। आमंत्रित कलाकार मंगलपाठ वाचक विकास कपूर और प्रतिमा सिंह ने श्री राणी सती दादी जी के जीवन वृतांत को मनमोहक अंदाज में प्रस्तुत किया। आयोजन स्थल महिलाओ से खचाखच भरा रहा। सभी महिलाए सोलह श्रृंगार कर मंगलपाठ में उपस्थित रही और सामूहिक मंगलपाठ पाठ कर कार्यक्रम में अपनी सह भागीता प्रदान की।

महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की पुण्यतिथि पर होजाई में मूर्ति का अनावरण

होजाई (निसं)। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की 456 वीं पुण्यतिथि पर होजाई जिले के शंकरदेव नगर में उनकी मूर्ति का अनावरण हर्षोल्लास के साथ हुआ। इस दौरान भारी संख्या में हर जाति, जनगोष्ठी के लोग यहां उपस्थित हुए। मूर्ति का अनावरण होजाई के पूर्व विधायक व श्रीमंत शंकरदेव समन्वय क्षेत्र के अध्यक्ष शिलादित्य देव ने माल्या अर्पण के साथ किया व दीप प्रज्ज्वलित रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के उपकुलपति मानवेंद्र दत्त चौधरी, असम सत्र महासभा के मुख्य सचिव कुसुम महंत सहीत कई गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया। इस दौरान पेपा, ढोल आदि की ध्वनि से वातावरण सकारात्मक हो रहा था। हमारे संवाददाता से बात करते हुए होजाई के पूर्व विधायक व श्रीमंत शंकरदेव समन्वय क्षेत्र के अध्यक्ष शिलादित्य देव ने कहा असम शंकरदेव, माधवदेव की भूमि थी है और रहेगी। उन्होंने कहा श्रीमंत शंकरदेव भक्ति आंदोलन से जुड़े हुए एक महापुरुष थे जिनकी तुलना

हमें गुरु नानक, महाप्रभु, गौतम बुद्ध से कर सकते है। शिलादित्य देव ने कहा कि यह असम की पहली मूर्ति है जो की होजाई में स्थापित हुई है। जो की ऐतिहासिक व स्वर्णिम दिन है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है श्रीमंत शंकर देव की विचारधारा उनकी वाणी, आदर्शों, असमिया जाति के गठन की प्रक्रिया में उनकी भूमिका को जन-जन तक पहुंचना है, खास तौर पर आने वाली पीढ़ी जाने व उसका अपने जीवन में अनुसरण करें। उन्होंने कहा विष्णु प्रसाद राधा देव ने गौहर अध्ययन कर कर उनकी एक काल्पनिक तस्वीर तैयार की थी उसी के आधार पर हमारे मूर्तिकार भूवन डेका राजा ने तैयार की है। उन्होंने बताया जब 2020-21 के दौरान वह होजाई के विधायक थे तब विधायक पूंजी से इसके निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ था, यह हमारे जिला आयुक्त के कार्यालय के सामने हर्बल पार्क में स्थापित की गई है हम सरकार से निवेदन करेंगे कि इस हर्बल पार्क का नामकरण श्रीमंत शंकरदेव उद्यान करें जिससे इस इलाके का विकास हो, दूर दराज से लोग यहां उनके आदर्शों को जानने के लिए पहुंचे। देव कहते हैं कि हम चाहते हैं कि श्रीमंत शंकर देव को हम सदियों सदियों तक याद रखें उनकी विचारधारा उनके आदर्श सदैव हमारे बीच रहे। उन्होंने कहा कि आज 11 जनगोष्टी के लोगो की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम को सफल बना दिया। वहीं दूसरी और हमारे संवाददाता से बात करते हुए असम सत्र महासभा के मुख्य सचिव कुसुम महंत ने कहा कि मुझे यहां आकर बहुत ही गौरव महसूस हो रहा है कि हर जाति समुदाय के लोग यहां उपस्थित है। सही मयीनों में यही श्रीमंत शंकरदेव के आदर्श है। मूर्ति के अनावरण के बाद एक सांस्कृतिक शोभायात्रा जिला आयुक्त कार्यालय के सामने से निकली जो की शंकरदेव नगर स्थित श्रीमंत शंकरदेव सृष्टि विकास केंद्र पर जाकर समाप्त हुई। वहां पर खुली सभा का आयोजन किया गया जहां पर अनेक विशिष्ट जनों ने अपना वक्तव्य रखा व शंकरदेव के विचारधारा उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। शाम को श्रीमंत शंकरदेव की 456 वीं पुण्यतिथि पर 456 दीप प्रचलित किए गए व उनको याद किया गया।

संपादकीय

बुलडोजर नहीं चलेगा

हालांकि यह कानून की स्थिति है, लेकिन ज्यादातर मामलों में इसका उल्लंघन हो रहा है। हम अवैध निर्माण या अतिक्रमण को संरक्षण देने के पक्ष में नहीं हैं। कोई व्यक्ति, किसी भी केस में, आरोपित है अथवा सजायाफ्ता भी हो सकता है, किसी का बेटा अडियल या अपराधी हो सकता है, लेकिन किसी भी सूरत में बुलडोजर चला कर उसका घर नहीं गिराया जा सकता। यह लोकतांत्रिक नहीं, मध्यकालीन, कबिलाई इंसाफ है। घर किसी के भी मानवाधिकार से जुड़ा है। यह मौलिक अधिकार भी है। आप 'न्याय' के नाम पर किसी का आशियाना नहीं छीन सकते। घर में आरोपी या अपराधी के अतिरिक्त और भी परिजन रहते हैं। वे अचानक सडक़ पर क्यों आएं? उन्होंने तो कोई अपराध नहीं किया। यह अपराध और दंड की किसी भी परिभाषा में नहीं है कि अपराधी के साथ-साथ उसके घरवाले भी सजा भुगतें। यदि निर्माण अवैध है, तो कानूनन कार्रवाई की जानी चाहिए। घर का ध्वस्त करना बिल्कुल भी कानूनन कार्रवाई नहीं है। अब समय आ गया है कि बुलडोजर एक्शन के मद्देनजर दिशा-निर्देश तय किए जाएं, जो देश भर में प्रभावी और लागू हों।'' सर्वोच्च अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विश्वनाथन ने 'बुलडोजर न्याय' पर सुनवाई के दौरान जो महत्वपूर्ण टिप्पणियां की हैं, यह उनका ही सारांश है। न्यायाधीश प्रथमद्रष्ट्या बुलडोजर चला कर घर, मकान, संपत्तियां ढहा देने की सरकारी कार्रवाई को 'कानूनसम्मत' नहीं मानते। यह शुरुआती फैसले की बुनियादी सोच है और इसके जरिए शीर्ष अदालत ने 'बुलडोजर न्याय' पर हथौड़ा मारा है। अदालत में सुनवाई जारी है और आगामी तारीख 17 सितंबर है। न्यायिक पीठ ने सभी पक्षों के सुझाव मांगे हैं, ताकि अखिल भारतीय दिशा-निर्देश तय किए जा सकें। दरअसल भारत में 'बुलडोजर कार्रवाई' की शुरुआत उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की। 2017 में सत्ता में आने के बाद उन्होंने बुलडोजर को कानून-व्यवस्था के साथ जोड़ दिया, ताकि अपराधी और माफिया खौफ खा सकें। योगी ने कुछ कुख्यात माफियाजनों के घरों, मकानों, संपत्तियों पर बुलडोजर चलवा कर उन्हें 'मलबा' बना दिया। यह कार्रवाई करते हुए एक 'विशेष समुदाय' को ज्यादातर निशाना बनाया गया, लिहाजा 'जमीयत उलेमा-ए हिंद' ने सर्वोच्च अदालत में याचिका देकर इसी बिंदु पर जोर दिया कि अधिकतर मुसलमानों को निशाना बनाया गया है और यह 'विध्वंसकारी प्रक्रिया' अब भी जारी है। 'बुलडोजर न्याय' का मप्र में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 2018 में, राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने और महाराष्ट्र की 'महाविकास अघाड़ी' की उद्धव ठाकरे सरकार ने इस्तेमाल किया। उप्र के अलावा गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, असम और मप्र की भाजपा शासित सरकारें भी खूब बुलडोजर चलवा रही हैं। आश्चर्य है कि भारत सरकार को इन कवायदों में कुछ भी 'अमानवीय' नहीं लगा और न ही कोई निर्देश दिए गए कि ऐसा करना गैर-कानूनी है। 2020 और 2022 के बीच 12,640 कथित अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलवाए गए हैं। अब तो यह आंकड़ा और भी बहुत बढ़ गया होगा। दिल्ली में जूस की एक दुकान से लेकर राजस्थान के टेम्पो ड्राइवर तक और मप्र में बोझ लादने या उतारने वाले मजदूर तक के संदर्भ में बुलडोजर चले हैं और संपत्तियां ढहाई गई हैं। बीते अगस्त में ही राजस्थान के उदयपुर में दो बच्चों की चाकूबाजी हो गई। उसमें 10वीं में पढने वाले आरोपित बच्चे के घर पर बुलडोजर चलवा दिया गया। सरकार की अनदेखी देखिए कि वह घर किराए का था। उज्जैन और इंदौर में भी दो मामले सामने आए हैं, जिनमें बुलडोजर चलाए गए, लेकिन अदालत ने उन्हें बेकसूर माना। सवाल है कि इस तरह आंख मूंद कर और विवेक को दफन कर सरकारें बुलडोजर चलवाती रहेंगी, तो बेकसूर होने की स्थिति में क्या मुआवजा देना पड़ेगा? क्या अदालतें मुआवजे के लिए सरकारों को बाध्य करेंगी? 'जमीयत उलेमा-ए-हिंद' के अलावा पूर्व राज्यसभा सांसद एवं वामपंथी नेता वृंदा करात और कुछ अन्य संस्थाओं ने भी सर्वोच्च अदालत में याचिकाएं दी हैं। उन सबकी एक साथ सुनवाई हो रही है।

हम अवैध निर्माण या अतिक्रमण को संरक्षण देने के पक्ष में नहीं हैं। कोई व्यक्ति, किसी भी केस में, आरोपित है अथवा सजायाफ्ता भी हो सकता है, किसी का बेटा अडियल या अपराधी हो सकता है, लेकिन किसी भी सूरत में बुलडोजर चला कर उसका घर नहीं गिराया जा सकता। यह लोकतांत्रिक नहीं, मध्यकालीन, कबिलाई इंसाफ है। घर किसी के भी मानवाधिकार से जुड़ा है। यह मौलिक अधिकार भी है। आप 'न्याय' के नाम पर किसी का आशियाना नहीं छीन सकते। घर में आरोपी या अपराधी के अतिरिक्त और भी परिजन रहते हैं। वे अचानक सडक़ पर क्यों आएं? उन्होंने तो कोई अपराध नहीं किया। यह अपराध और दंड की किसी भी परिभाषा में नहीं है कि अपराधी के साथ-साथ उसके घरवाले भी सजा भुगतें। यदि निर्माण अवैध है, तो कानूनन कार्रवाई की जानी चाहिए। घर का ध्वस्त करना बिल्कुल भी कानूनन कार्रवाई नहीं है।

महिलाओं ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान और संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थी

महिला विरोधी अपराध के दलदल में भद्रलोक

उमेश चतुर्वेदी

शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती दुर्गा के स्वागत में हर साल विभोर होती रही है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान की कैसी परंपरा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। जहां मूर्ति बनाने के लिए उन वेश्याओं के घर से पहली मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें आम तौर पर समाज त्याज्य और गंदा मानता है। बंगाल की धरती कैसी नारी पूजक रही है, किस तरह वह नारियों का सम्मान करती रही है, इसके उदाहरण आजादी के आंदोलन के इतिहास में जैसे मिलते हैं, अन्य राज्यों में कम।

बंकिम चंद्र की शस्य श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल शक्ति पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती दुर्गा के स्वागत में हर साल विभोर होती रही है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान की कैसी परंपरा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। जहां मूर्ति बनाने के लिए उन वेश्याओं के घर से पहली मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें आम तौर पर समाज त्याज्य और गंदा मानता है। बंगाल की धरती कैसी नारी पूजक रही है, किस तरह वह नारियों का सम्मान करती रही है, इसके उदाहरण आजादी के आंदोलन के इतिहास में जैसे मिलते हैं, अन्य राज्यों में कम। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान और संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थी। पहली थीं अरूणा गांगुली, जो बाद में अरूणा आसफ अली बनीं, दूसरी थीं सुचेता मजूमदार जो बाद में सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरीं थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय जो बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू बनीं। बंगाल की माटी नारी की कितना सम्मान करती रही है, उसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय भी रहीं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के कोल्हू में पिस रहीं थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान दिया और उन्हें आगे बढ़ाया। उस बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। वहां अब हालात कैसे बदल गए हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना को उदाहरण के रूप में लिया जा सकता है।

समूचा देश अपनी आजादी की 77 वीं सालगिरह के जश्न में थककर पंद्रह अगस्त की रात जब मीठी नींद के आगोश में था, भद्रलोक की राजधानी कोलकाता के राधा गोविंद कर यानी आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरता पूर्वक रेप के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी घरवाले चिंता तक नहीं करते थे, अब वे परेशान हो उठे हैं। बंगाल के लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो उठे हैं। बंगाल की धरती पर शायद यह पहली ऐसी घटना है, जिसमें किसी महिला के साथ ऐसी बर्बरता की गई है। इससे शक्तिपूजक बंगाली समाज का क्रोध

और क्षोभ से भरना स्वाभाविक है। दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव हासिल है। महिला के राज में किसी महिला के साथ ऐसा दुराचार लोगों के गले आसानी से नहीं उतर रहा। इसलिए बंगाल इन दिनों खौल रहा है। बंगाल के चुनिंदा बुद्धिजीवियों को छोड़ दें तो समूचा बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया है। जो चुप हैं या व्यवस्था की तरफदारी कर रहे हैं, वे सत्ताधारी पार्टी के साथ हैं, सांसद या किसी अन्य पद पर हैं।

अभी बहुत दिन नहीं हुआ, जब पश्चिम बंगाल के संदेशखाली से भी महिलाओं से बलात्कार की खबरें सामने आईं थीं। वहां की घटना की जब परतें खुलने लगीं तो पता चला कि रेप की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा हैं। संदेशखाली को लेकर बंगाली समाज में उबाल तो आया, लेकिन वैसा नहीं, जैसा आरजी कर अस्पताल की दुराचार के बाद दिख रहा है। शायद संदेशखाली की पीड़िताएं ग्रामीण इलाकों की हैं, जबकि आरजी कर की घटना उस कोलकाता शहर की है, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है।

पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ। अवैध घुसपैठियों के समर्थन में बीजेपी छोड़ तकरीबन समूचा बंगाली राजनीति है। 34 साल के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़ा झुंड उभरा। सरकार पर संगठन का नियंत्रण होना चाहिए, लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसे स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन संगठन की ओर से समानांतर व्यवस्था चलाना और शासन में हर स्तर पर हस्तक्षेप शासन की निष्पक्षता को तो खत्म करता ही है, शासन को पंगु भी बना देता है। प्रांत से लेकर ब्लॉक स्तर तक स्थापित वामपंथी व्यवस्था ने ऊपर से नीचे तक प्रशासन को अपना गुलाम बनाने में कामयाब रहा। प्रशासन और समानांतर पार्टी व्यवस्था ने मिलकर अपराध और राजनीति का मजबूत गठजोड़ बनाया। इस गठजोड़ में पैसा था, पॉवर था, ताकत थी। नीचे से मिले पैसे उपर तक पहुंचते रहे। जनता ठगी जाती रही है। पश्चिम बंगाल का समाज उस संस्थानिक व्यवस्था से इतना परेशान था कि संघर्षशील ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी। बंगाली समाज को लगा कि संघर्षशील ममता नई बयार बनकर पश्चिम बंगाल की व्यवस्था में जमी काई को साफ कर देगी। उन्हें उम्मीद थी कि ममता अपने राजनीतिक औजारों से बंगाल की व्यस्था में जमे नासूर को साफ कर देंगी। लेकिन अफसोस ऐसा नहीं हुआ। ममता भी उसी कदम पर चल पड़ी। निचले स्तर पर जो वामपंथी कैडर था, वह ममता का कार्यकर्ता बन गया। अवैध घुसपैठ बनती रही। घुसपैठियों या पूर्वी बंगाल के लोगों को पश्चिम बंगाल को लोग बांगाल बोलते हैं। कहने का मतलब यह है कि बांगाल के हवाले होती रही राजनीति और सीमा के पार तक के अल्पसंख्यक तुष्टिकरण से प्रशासन लगातार या तो पंगु होता गया या फिर सत्ताधारी तंत्र का चारण बनता गया। प्रशासन का यह चारण रूप 16 अगस्त को भी दिखा, जब आरजी कर की पीड़िता की रिपोर्ट साढ़े ग्यारह बजे रात को दर्ज की गई, जबकि उसके साथ बलात्कार और उसका मर्डर पंद्रह अगस्त की रात को दो से ढाई बजे के बीच हो चुका था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी नोटिस किया और कोलकाता पुलिस को डांट भी पिलाई। सुप्रीम कोर्ट जजों ने तो यहां तक कहा कि अपने तीस साल में ऐसा कभी होते नहीं देखा।

पश्चिम बंगाल में ही हो सकता है कि भ्रष्टाचार के आरोप में पुलिस अधिकारी के घर केंद्रीय एजेंसी छापा मारने पहुंचे तो मुख्यमंत्री खुद दल बल अपने भ्रष्ट अधिकारी के पक्ष में धरना देने पहुंच जाएं। कुछ इसी अंदाज में ममता की अगुआई में कोलकाता में बलात्कार और कत्ल की घटना के विरोध में धरना दिया गया। कह सकते हैं कि यह सरकार के खिलाफ सरकार का धरना था। ऐसा दुनिया के किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कम से कम अब तक तो नहीं ही देखा गया है।

दृष्टि कोण

ग्राम्य आर्थिकी में कृषि पर्यटन की भूमिका

कृषि पर्यटन, कृषि और पर्यटन का एक संलयन, पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने, ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को चलाने और गांवों से शहरी केंद्रों में प्रवास की प्रवृत्ति को उलटने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है। ग्राम केंद्रित, किसान केंद्रित आर्थिक नीतियों का निर्माण करके, हम स्थायी कृषि प्रथाओं को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण आजीविका बढ़ाने और ग्रामीण जीवन के लिए नए सिरे से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कृषि पर्यटन का लाभ उठा सकते हैं। किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत प्रदान करके, कृषि पर्यटन खेती को अधिक आकर्षक और व्यवहार्य आजीविका विकल्प बना सकते हैं। यह युवा पीढियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो बेहतर अवसरों की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों को छोडने पर विचार कर सकते हैं। यह प्रदर्शित करके कि खेती लाभदायक और पूर्ण दोनों हो सकती है, कृषि पर्यटन ग्रामीण समुदायों में युवाओं को बनाए रखने में मदद कर सकता है और उन्हें खेती को करियर के रूप में लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी केंद्रों में प्रवास कई क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है, जिससे गांवों की आबादी कम हो रही है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में गिरावट आई है। ग्राम केंद्रित और किसान केंद्रित आर्थिक नीतियों द्वारा समर्थित कृषि पर्यटन, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका बनाकर इस प्रवृत्ति को उलटने में मदद कर सकता है। विकेंद्रीकरण, तकनीकी हस्तक्षेप और भंडारण सुविधाओं व प्रसंस्करण इकाइयों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से, कृषि पर्यटन प्रवासन प्रवृत्तियों को उलटने और आत्मनिर्भर ग्रामीण समुदायों के निर्माण के लिए कृषि पर्यटन उत्प्रेरक के रूप में काम कर सकता है। यह उन प्रथाओं को प्रोत्साहित करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है जो संसाधनों का संरक्षण करते हैं, पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करते हैं और कृषि के कार्बन पदचिह्न को कम करते हैं। यह उपभोक्ताओं और उनके भोजन के स्रोतों के बीच गहरे संबंध को भी बढ़ावा देता है जिससे स्थायी कृषि प्रथाओं के बारे में अधिक जागरूकता होती है। कृषि पर्यटन किसानों को स्थायी कृषि विधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करता है जो न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हैं। कृषि पर्यटन के पर्यटक/आगंतुक अक्सर प्रामाणिक, पर्यावरण के अनुकूल अनुभव चाहते हैं, जो किसानों को जैविक खेती, फसल रोटेशन जैसी प्रथाओं को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ये विधियां मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने, पानी के संरक्षण और हानिकारक रसायनों के उपयोग को कम करने में मदद करती हैं, जिससे दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान होता है। कृषि पर्यटन के माध्यम से किसान प्रकृति आधारित अनुभवों जैसे पक्षी देखने, वन्यजीव पर्यटन और पर्यावरण के अनुकूल आवास प्रदान करके अपनी आय में आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकते हैं। ये गतिविधियां प्राकृतिक आवासों और जैव विविधता के संरक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। अपनी भूमि पर जंगलों, आद्र्रभूमि और अन्य प्राकृतिक क्षेत्रों की रक्षा करके, किसान ग्रामीण परिदृश्य की सुंदरता और शांति का अनुभव करने में रुचि रखने वाले पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं। यह बदले में, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन की संस्कृति को बढ़ावा देता है। कृषि पर्यटन स्थानीय खपत को बढ़ावा देकर और भोजन की लंबी दूरी के परिवहन की आवश्यकता को कम करके कृषि के कार्बन पदचिह्न को कम करने में मदद कर सकता है। जब पर्यटक खेतों में जाते हैं और ताजा, स्थानीय रूप से उत्पादित भोजन खरीदते हैं, तो यह लंबी दूरी पर ले जाने वाले भोजन की मांग को कम करता है जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम हो जाता है। इसके अतिरिक्त कृषि पर्यटन खेतों पर सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा दे सकता है, जिससे कृषि गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभाव को और कम किया जा सकता है। ग्रामीण जीवन और कृषि के प्रति शहरी-केंद्रित दृष्टिकोण को बदलने में कृषि पर्यटन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शहरी क्षेत्रों के लोगों को खेती की वास्तविकताओं का अनुभव करने, किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने और टिकाऊ कृषि के महत्व की सराहना करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। कृषि पर्यटन के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक शहरी और ग्रामीण आबादी के बीच की खाई को पाटने की इसकी क्षमता है। शहरों से लोगों को खेतों में लाकर कृषि पर्यटन ग्रामीण जीवन की अधिक समझ को बढ़ावा देता है। पर्यटक कृषि गतिविधियों में भाग ले सकते हैं, जैसे फसलों की कटाई, गायों का दूध निकालना और पारंपरिक खाद्य पदार्थ बनाना, जिससे उन्हें खेती में आवश्यक कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है।

कुछ अलग

बंदा तो औसत है जी...

हालांकि इस बाबत मैंने उन्हें बहुत बार समझाया भी कि बंधु! औरों के कुकर्मों की वजह से क्यों अपना रास्ता नरक के रास्ते से ले जाते हो? ये सरकारी भाई हैं भाई। जो इनके मन में आए करने दो। भाई चाहे गली को हो या ऑफिस का! वह हर हाल में भाई ही होता है। उसे सब माफ होता है। पद पर रहते हुए उसे कुछ भी करने का हक होता है। भाई भाई होकर बदतमीजी नहीं करेगा तो क्या बाप होकर बदतमीजी करेगा? बाप का काम बदतमीजी सहन करना होता है तो भाई का बदतमीजी करना। बाप और भाई में यही बेसिक अंतर होता है। पर उनको समझाए तो कौन समझाए? मैं और कुछ नहीं चाहता। पर यह जरूर चाहता हूं कि समाज में भाईचारे की आड़ में दुश्मनियां न बढ़ें। वैसे भाईचारे की कोख में पलती दुश्मनियां बहुत अच्छी लगती हैं। मैं नहीं चाहता, जिसका जो हक हो, वह उसे मिले। अगर समाज में ऐसा हो गया तो मेरे जैसे कौवों का क्या होगा? ये व्यवस्था हंस प्रधान नहीं, कौवा प्रधान है। जो कुर्सी के आसपास कोयल की आवाज में कांव कांव कर गया, समझो वह गधे की पूंछ पकड़ भवसागर पार कर गया। मैं नहीं चाहता, समाज में कोई ईमानदार रहे। यहां हर ईमानदार को ईमानदारी करने का हक हो या न, पर यहां हर को बेईमानी करने का पूरा हक है। अच्छा लगता है जब सच्ची को योग्य की जगह औसत से नीचे का दिमाग जुगाड़ कर व्यवस्था की कमान संभालता है। योग्य की समाज में कोई जगह होनी भी नहीं चाहिए। इससे समाज के विकास की निरंतर चलती योजनाओं में अवरोध पैदा होते हैं। एक बार जो ईमानदारी से पुल बना गया और दशकों न गिरा तो विकास तो रुक गया न! विकास की प्रक्रिया चलते रहने के लिए व्यवस्था को खाने खिलाने वाले धांसू जरूरी हैं। कल अखबार वाले की गलती से फिर उनके ऊपर वालों का अखबार उनके फ्लोर पर गिर गया और उन्होंने पढ़ लिया। फिर जैसा कि पहले की तरह उनका दिमाग खराब होना था, खराब हो गया। और वे अपना खराब दिमाग लिए मेरे सामने। मुझे पता था कि आज फिर बंधु ने अखबार में कुछ समाज उपयोगी पढ़ लिया है। वैसे समाज विरोधी खबरें हममें संवेदनाओं को बीच-बीच में जगाती रहती हैं। वे आते ही इमोशनल हो मुझ पर बिगड़े, 'ये देख! आज फिर प्रोफेसर ने लडक़ी से छेड़छाड़ कर दी। हद है यार! ये अखबार छपते ही क्यों हैं? मुझे परेशान करने के लिए? जिस सोसाइटी में प्रोफेसर ही गाली हो जाए, उस सोसाइटी को डूबने से...।' 'तो क्या हो गया!' मैंने शांत स्वर में कहा। 'इतनी बड़ी बात और तुम्हारे लिए...।' 'मतलब?' उनका खून देखो तो लावे की तरह नसों से बाहर आता हुआ। 'कुछ नहीं यार! तुलसीदास ने बहुत पहले कहा था- समरथ कहुं नहिं दोषु गोसाईं। भाई पावक...।' 'कितनी बार कहा कि बी कूल! तुम्हारे बीपी बढ़ाने से यहां समरथों द्वारा किए जाने वाले अपराध नहीं कुकने वाले। इसलिए तुम्हारे हित में मैं तुम्हारा शुभचिंतक होने के नाते बार बार की तरह एक बार फिर कहता हूं कि पदों पर बैठों की बदतमीजियों को सीरियसली मत लिया करो। समरथ होते ही बदतमीजियां करने को हैं। औसतों को पद की गरिमा बनाए रखना मुश्किल नहीं, बहुत कठिन होता है। या कि पद पाने के बाद औसत से औसत जीव भी बदतमीज हो जाता है। ऐसे पदों का दुरुपयोग करने वालों का तो कुछ नहीं होगा, पर फाइनली नुकसान तुम्हारा ही होगा। अरे, वे प्रोफेसर बाद में हैं, पहले औसत आदमी हैं। औसत आदमी से ही वहां तक पहुंचे हैं। हमको चौबीसों घंटे अपने पद की गरिमा के साथ जीना बहुत मुश्किल है दोस्त! यहां तो...तुम्हारी कोई और दिक्कत हो या न, पर तुम्हारी सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि तुम हर औसत आदमी में पता नहीं क्यों उसके पद की गरिमा ढूंढने लग जाते हो। और मेरी दिक्कत यह है कि मैं हर गरिमामय पद में एक औसत आदमी देखता हूं।

देश दुनीया से

शिक्षा और शिक्षक पर चिंतन का दिन

भारत में प्राचीन समय से ही सीखने के लिए गुरु व शिष्य परंपरा चली आ रही है और अभी तक भी जीने का असली सलीका हमें शिक्षक ही सिखाते हैं और सही मार्ग पर चलने को प्रेरित करते हैं। अध्यापक को देश का निर्माता कहा जाता है, क्योंकि समाज में बदलाव, विकास में प्रगति, अच्छा जीवन जीने की कला तथा शांति, मैत्री, बंधुत्व विश्व में अच्छे शिक्षकों द्वारा ही संभव हो सका है। शिक्षक, जो बच्चों को पढ़ा सके, जो समाज को नेतृत्व दे सके, जो अच्छा जीवन जीने के लिए वातावरण तैयार कर दे, जो विश्व में मैत्री, शांति और बंधुत्व स्थापित कर दे, उन सभी को ही शिक्षक माना जाता है। अध्यापकों का हमारी जिंदगी में बहुत महत्व होता है। जो शिक्षक बच्चों को जीवन जीने का सलीका सिखा सके, समाज को नेतृत्व दे सके, ऐसे ही शिक्षक डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन और डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम हुए हैं जिन्होंने देश को सीखने व जल्द विकसित होने की भूख पैदा की है।

गुरु शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। जीवन में माता-पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता, क्योंकि वे हमें इस दुनिया में लेकर आते हैं। इसलिए जीवन में सबसे पहले गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। भारत में प्राचीन समय से ही सीखने के लिए गुरु व शिष्य परंपरा चली आ रही है और अभी तक भी जीने का असली सलीका हमें शिक्षक ही सिखाते हैं और सही मार्ग पर चलने को प्रेरित करते हैं। अध्यापक को देश का निर्माता कहा जाता है, क्योंकि समाज में बदलाव, विकास में प्रगति, अच्छा जीवन जीने की कला तथा शांति, मैत्री, बंधुत्व विश्व में अच्छे शिक्षकों द्वारा ही संभव हो सका है। शिक्षक, जो बच्चों को पढ़ा सके, जो समाज को नेतृत्व दे सके, जो अच्छा जीवन जीने के लिए वातावरण तैयार कर दे, जो विश्व में मैत्री, शांति और बंधुत्व स्थापित कर दे, उन सभी को ही शिक्षक माना जाता है। अध्यापकों का हमारी जिंदगी में बहुत महत्व होता है। जो शिक्षक बच्चों को जीवन जीने का सलीका सिखा सके, समाज को नेतृत्व दे सके, ऐसे ही शिक्षक डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन और डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम हुए हैं जिन्होंने देश को सीखने व जल्द विकसित होने की भूख पैदा की है। जवान भारत में लाखों विद्यार्थी ऐसे अच्छे अध्यापकों का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं। शिक्षक के दायरे में केवल बच्चों को किताबी ज्ञान बांटना या फिर सीखने के प्रतिफल को कक्षा कक्ष में उतारना ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों में जीवन कौशलों का विकास करते हुए उन्हें आधुनिक जीवन के संघर्ष से अवगत कराना और नशे से बचाना भी शामिल है। अध्यापक दिवस पर अध्यापकों से नई उभरती हुई अपेक्षाएं व चिंताएं भी हैं। नई शिक्षा नीति, नई पाठ्यचर्या एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास तुरंत व महत्वपूर्ण ध्यान चाहते हैं। यह उदारीकरण, निजीकरण, भूमंडलीकरण, विश्व व्यापार संगठन, बहिस्त्रोतीकरण, सूचना एवं संचार तकनीकी, नव शैक्षिक प्रयोग, खुली अधिगम प्रणाली, जीवन कौशलों का विकास आदि विशेषताएं शिक्षकों में विशेष तौर पर अपेक्षित रहेंगी। किसी भी देश के अध्यापक तथा वहां की शिक्षा नीति पर यह निर्भर करता है कि उस देश का विकास मानव विकास में परिवर्तित हो और विद्यालय ही एक ऐसी जगह है, जहां से यह संभव है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अध्यापकों के मानकों को बढ़ाने एवं वर्तमान स्थिति में परिवर्तन की कल्पना करती है। शिक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे पढ़ाने व लेक्चर देने के बजाय फैसिलिटेटर और मैंटर के रूप में कार्य करें। अध्यापक कक्षा कक्ष में इस तरह से सिखाएं कि बच्चों के बीच रचनात्मक, जिज्ञासा, ज्ञान व सूचना की भूख बढ़े। शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रचार व प्रसार एवं बच्चों में इसकी लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे डिजिटल रूप से भी साक्षर हों और कक्षा कक्ष में इंटरनेट व कंप्यूटर के माध्यम से बच्चों को प्रतिदिन पढ़ाएं व सिखाएं ताकि सीखने के मानकों (स्टैंडर्ड) में प्रगति सुनिश्चित की जा सके और अध्यापक बच्चों में समग्र विकास की लौ जगा सकें। यह तभी संभव है जब अध्यापकों की पढने व सिखाने में रुचि निरंतर बनी रहे। यह सब करने से ही शिक्षक का सम्मान बरकरार रह सकता है। अध्यापक प्रशिक्षण में अच्छे प्रशिक्षकों की कमी तथा प्रशिक्षण को कक्षा कक्षा से ले जाने से लेकर कक्षा कक्ष में उतारने तक कार्यक्रम की कमी और निगरानी में लचर व्यवस्था हमें नार्वे एवं फिनलैंड जैसे विकसित देशों से पीछे धकेलती है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन की रिपोर्ट के अनुसार लक्जमबर्ग में दुनिया में सबसे अधिक वेतन पाने वाले शिक्षक हैं। इसके अतिरिक्त स्विट्जरलैंड, जर्मनी, नॉर्वे, डेनमार्क, अमरीका, मैक्सिको, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड हैं, जहां शिक्षकों को सबसे ज्यादा सैलरी मिलती है और वे अपने आप को सम्मानित महसूस करते हैं। इन देशों के अध्यापकों के पढ़ाने और सिखाने के तरीके भी भिन्न हैं। यहां अध्यापक विद्यालय व कक्षा कक्ष में जाने से पहले पूरी तैयारी करते हैं। अध्यापक को बच्चों से पहले आकर पढ़ाने की तैयारी करनी होती है। इसीलिए उनका आदर सम्मान बरकरार है और हिमाचल के सरकारी स्कूलों से इसकी उम्मीद इंतजार में है। अनुसंधान व ज्ञानरहित अध्यापक का पाठ बच्चों के दिमाग के ऊपर ज्ञान लादने का ही कार्य कर सकता है, उन्हें कुशाग्र बुद्धि वाला नहीं बना सकता। पिछले दो दशकों में पढने-पढ़ाने की विभिन्न विधाओं में परिवर्तन आए हैं और अभी भी प्रयास जारी हैं। देश भर में लाखों शिक्षक विभिन्न कक्षाओं में पढ़ा रहे हैं। क्या वे सभी शिक्षक शिक्षा को बच्चों के व्यावहारिक जीवन में उतारने में कामयाब हो रहे हैं या नहीं? जैसे-जैसे विकास, विज्ञान और तकनीक आगे बढ़े हैं तथा प्रभावित हुए हैं, घर से लेकर विद्यालय तक परिवर्तन ए हैं, इंटरनेट, मोबाइल, कंप्यूटर, इंटरएक्टिव बोर्ड सरीखी आधुनिक सहूलियतों से कक्षा कक्ष एवं पढ़ाने के तरीकों में परिवर्तन आवश्यक है। बाहरी परिवर्तन के समकक्ष अपने विद्यालय एवं कक्षा कक्ष, अध्यापकों की सोच, उनके ज्ञान, सूचना, विवेक, सशक्तिकरण व पढ़ाने के मानक स्तरों में भी सकारात्मक बदलाव की अपेक्षा है।

आप का नजरीया

शहरों का आर्थिक वजूद

बहस के विषयों में राजनीतिक नापतोल अक्सर उचित-अनुचित पर गौर न करके, संभावनाओं की मर्यादा को गौण कर देता है। प्रदेश में आर्थिक संकट पर विधानसभा के मुख्य द्वार पर एक महीन सी लक्ष्मण रेखा है, जो हर वाकआउट के तर्क में आर्थिक विडंबनाएं देखती है। प्रश्नकाल के सवाल पर प्रदेश का हाल देखती है। बजट में अकाल और खर्च में भूचाल देखती है। सवाल यह कि हिमाचल ने अपनी अर्थव्यवस्था को न देखा और न ही जानने की कोशिश की। केंद्र की नीतियों के सहारे 'हम डबल इंजन सरकार' बनकर तो लंबे समय तक नहीं जीत सकते। ऐसे में उजड़े दरख्त के नीचे घास को भी रोना आता होगा, लेकिन सियासत जब उखड़ती है तो हिमाचल की आपदा में प्रधानमंत्री का दौरा भी नसीब नहीं होता। खैर राजनीति से इतर भी हमने प्रदेश की मिट्टी को इतना लाल कर दिया है कि राज्य के प्रयास भी केंद्र की मुखबिरी करते हैं। हम उसी एहसास में जीते हैं या जीने की कोशिश करते हैं जो केंद्र से रहमत बनकर मिलते हैं। बड़ा जोश और जोर है जब मनाली या शिमला से निकलते फोरलेन चंडीगढ़ का कम समय में आलिंगन करते हैं। यह जरूरी रफ्तार हो सकती है, लेकिन इतनी भी जरूरी नहीं कि बिलासपुर, कुल्लू या मंडी जैसे शहरों को दरकिनार करते हुए निकल जाए। कल पठानकोट से मंडी के बीच यात्रा का समुद्र ज्वारभाटा बनेगा, तो नूरपुर, शाहपुर, कांगड़ा, नगरोटा बगवां, बैजनाथ व जोगिंद्रनगर जैसे शहरों के व्यापार का बागवां कहां बचेगा। तरक्की के अपने आईने हैं और यह वक्त की आवश्यकता के अनुरूप बनते व संवरते हैं, लेकिन हर विकास को समझने की जरूरत है। फोरलेन से बाइपास हो रहे शहरों की आर्थिकी का अध्ययन करने के लिए शहरी विकास मंत्रालय की योजना में कुछ तो चिंता होनी चाहिए। कुल्लू शहर की गलियों में आज होटल उदास हैं या व्यापार फिक्रमंद है, तो कुछ नए बंधन की जरूरत है। अंततः व्यापारी को निवेशक का दर्जा देते हुए फोरलेन के दर्द को उजड़ते शहरी आर्थिकी में समझना होगा। बेशक फोरलेन पर काफिला नई अर्थव्यवस्था लेकर आएगा, लेकिन जहां मंजिलें उजड़ रही हैं, उनके लिए भी उपचार चाहिए। इससे पूर्व प्रदेश में शिक्षा व चिकित्सा की दौड़ में जब बड़े सपने देखे गए, तो हम दौड़ते-दौड़ते यह भूल गए कि कुछ तो पहले भी असर था। यानी हमने कालेजों की दौड़ को विश्वविद्यालय के प्रांगण में ले जाकर खत्म कर दिया। मेडिकल कालेजों की तादाद में क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की आहुति दे डाली। आईजीएमसी के कंधों पर टीएमसी बैठाया, तो आसपास के कई हॉस्पिटल डिस्पेंसरी से भी बदतर साबित हो गए। टीएमसी कभी चंबा मेडिकल कालेज के रोग को थामता, तो कभी हमीरपुर मेडिकल कालेज की लाज बचाता, अंततः डाकिया बन गया, जहां कभी शांता कुमार जैसे दिग्गज नेता को विश्वास करके अपनी धर्मपत्नी का साथ गंवाना पड़ा था। निश्चित रूप से ये फोरलेन जब हमें दौड़ाएंगे, तो हम अपने बच्चों को शिक्षा के लिए किसी अन्य राज्य में प्रवेश दिलाएंगे। यही वजह है जब कभी कोई बड़ा राजनेता छोटे से रोग के इलाज के लिए राज्य से बाहर निकल जाता है।

प्रदेश में अपराधियों की संरक्षक है समाजवादी पार्टी : नितिन अग्रवाल

बलरामपुर (हिंस)। प्रदेश में सपा अपराधियों की संरक्षक है। प्रदेश में जो भी अपराधी पकड़े जाते हैं वह समाजवादी पार्टी के ही क्यों होते हैं। वहीं देश में कांग्रेस की ओर से संविधान खतरे में है का गलत प्रचार किया जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता कांग्रेस की हकीकत को पहचान चुकी है। यह बातें तुलसी पार्क स्थित अटल भवन कार्यालय में आयोजित भाजपा सदस्यता अभियान की बैठक में आबकारी एवं मद्य निषेध राज्यमंत्री व प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कही। इसी के साथ ही उन्होंने मीडिया कर्मियों को सदस्यता अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता की विचारधारा देश प्रथम व पार्टी द्वितीय स्थान पर रहती है। भाजपा कार्यकर्ता अनुशासित कार्यकर्ता हैं। सरकार की योजनाओं को धरातल पर लाने का कार्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूरी ईमानदारी के साथ किया है। पूरे देश में सदस्यता अभियान का सबसे बड़ा लक्ष्य उत्तर प्रदेश को मिला है। केवल 24 घंटे के अन्दर प्रदेश भर में दस लाख से अधिक लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। बलरामपुर जिले के साढ़े तीन लाख कार्यकर्ता बनाने का लक्ष्य मिला है, लेकिन बलरामपुर के ऊर्जावान कार्यकर्ता मिले लक्ष्य से अधिक लगभग पांच लाख कार्यकर्ताओं को जोड़ने का कार्य करेंगे। अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राहुल राज रस्तोगी ने कहा कि भाजपा ने सबसे पहले 2014-15 से 2017 व 2019 में सबसे पहले डिजिटल सदस्यता अभियान चलाया था। 2015 में उत्तर प्रदेश में 1.86 करोड़ लोग भाजपा के प्राथमिक सदस्य बनाए गए थे। दो सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया था। भाजपा की ओर से हेल्प लाइन नम्बर 8860147147 तथा सदस्य बनने के लिए 8800002024 जारी किया गया है। सदस्यता अभियान में बूथ स्तर पर साढ़े तीन लाख कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि सदस्यता अभियान में सभी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। विधायक दस हजार, जिला पंचायत 15 हजार, नगर पालिका व ब्लाक प्रमुख पांच हजार, नगर पंचायत अध्यक्ष दो हजार व जिला पदाधिकारी एक हजार नए सदस्यों को जोड़ने का कार्य करेंगे। मौके पर सदर विधायक पल्टू राम, तुलसीपुर के कैलाश नाथ शुक्ल, उतरौला के राम प्रताप वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, विष्णु देव गुप्ता, जिला मीडिया संयोजक अवधेश पाण्डेय, सहित भाजपा के जिला वा स्थानीय पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सोहेलवा को प्रोजेक्ट टाइगर में शामिल किए जाने को लेकर बलरामपुर फस्ट टीम की ओर से सर्वेश सिंह ने प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने बताया कि भारत नेपाल सीमा पर स्थित विश्व प्रसिद्ध सोहेलवा जीव अभ्यारण को प्रोजेक्ट टाइगर के रूप में विकसित करने के लिए बलरामपुर फस्ट टीम ने शुरुआत की है। सोहेलवा वन्यजीव अभ्यारण रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृत वास माना जाता है। पिछले कुछ महीनों में बाघों की जनगणना के दौरान कैमरा ट्रैपिंग से सोहेलवा में कई बाघ होने के प्रमाण मिले हैं। इस जंगल में बाघ के अलावा अन्य दुर्लभ प्रकार के वन्यजीव भी पाए जाते हैं और यहां वनस्पतियां दुर्लभ एवं विश्व प्रसिद्ध हैं। सोहेलवा वन्यजीव अभ्यारण अकूत सम्पदा से भरपूर हैं। इसके संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रोजेक्ट टाइगर योजना लागू किया जाना आवश्यक है।

राष्ट्र के भविष्य के पथ प्रदर्शक बने शिक्षक : देवनानी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिक्षक दिवस पर प्रदेश के शिक्षकों का आव्हान किया है कि वे तनाव मुक्त, नशा मुक्त और नारी के प्रति सम्मान के संस्कारों को सिखाने के साथ युवा पीढ़ी को आदर्श जीवन जीने की राह दिखाने वाले पथ प्रदर्शक बनें। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में युवाओं में श्रेष्ठ नागरिक के गुणों के भाव बचपन से ही पैदा करने होंगे, ताकि युवा पीढ़ी अच्छे-बुरे और सही-गलत का अर्थ समझ सके और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए तैयार हो सके। स्पीकर देवनानी ने शिक्षक दिवस पर प्रदेश के शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि शिक्षा मानव जीवन के लिए आवश्यक है और विकास का मूल आधार भी शिक्षा है। ऐसी स्थिति में शिक्षकों का दायित्व राष्ट्र के प्रति और अधिक बढ जाता है। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर मनाए जाने वाला शिक्षक दिवस शिक्षक, विद्यार्थियों और सम्पूर्ण समाज के लिए महत्वपूर्ण है। यह दिवस प्रत्येक व्यक्ति द्वारा शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने का भी दिवस है। देवनानी ने शिक्षकों से अनुरोध किया है कि वे देश के भविष्य युवा पीढ़ी के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण कर उनके पथ प्रदर्शक बने। विद्यार्थियों के उचित मार्ग दर्शन से ही उनका भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सकता है। भारतीय संस्कृति में शिक्षक और शिक्षक दिवस का विशेष महत्व है। हमारी संस्कृति में गुरुजन को हमेशा से भगवान और माता-पिता के तुल्य स्थान दिया जाता है। भारत की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए युवाओं में राष्ट्र प्रथम की भावना का विकास करना होगा। उनमें नैतिकता और संस्कारों का भी समावेश करना होगा। देवनानी ने कहा कि समाज के बदलते परिवेश में शिक्षक और विद्यार्थी का संवाद बढ़ाना होगा। इससे दोनों के मध्य आपसी विश्वास बढ़ सकेगा।

राजस्थान बोर्ड ने मुख्य परीक्षा के आवेदन की तिथि पांच सितंबर तक बढ़ाई

अजमेर (हिंस)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं-12वीं की मुख्य परीक्षा-2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की तिथि फिर से पांच सितंबर तक के लिए बढ़ा दी हैं। अब बिना विलंब शुल्क के साथ बढ़ी हुई तिथि तक आवेदन कर सकेंगे। पूर्व में आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 अगस्त निर्धारित थी, जिसे पहले दो सितंबर किया गया और अब पांच सितंबर कर दिया गया हैं। परीक्षा के लिए अब तक 19 लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा के अनुसार, एक अतिरिक्त शुल्क के साथ दस सितंबर तक आवेदन कर 13 सितंबर तक बैंक में शुल्क जमा करवा सकेंगे। असाधारण शुल्क (केवल प्राइवेट परीक्षार्थियों के लिए) जिला मुख्यालयों पर 27 सितंबर तक भरे जा सकेंगे। इसका चालान चार अक्टूबर तक जमा होगा। आवेदन पत्र एवं चालान नोडल केंद्रों पर जमा कराने के लिए 18 सितंबर तक समय तय किया गया हैं। रेगुलर स्टूडेंट्स के लिए परीक्षा शुल्क 600 रुपए एवं प्राइवेट स्टूडेंट्स के लिए 650 रुपए निर्धारित किया गया है। प्रैक्टिकल एग्जाम शुल्क 100 रुपए प्रति विषय अलग से देना होगा।

वसुंधरा राजे ने ली भाजपा की सदस्यता, बोलीं-धैर्य रखो तो मंजिल जरूर मिलती है

झालावाड़ (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने बुधवार को झालावाड़ में भाजपा की सदस्यता ली और कहा कि घूम लिया मैंने जग सारा, अपना घर है सबसे प्यारा। उन्होंने कहा कि मुझे जयपुर में सदस्यता ग्रहण करने के लिए कहा गया था, लेकिन मैंने निर्णय किया कि मैं अपने घर झालावाड़ में ही सदस्यता लूंगी। इस अवसर पर सदस्यता अभियान के सह संयोजक विधायक निर्मल कुमावत भी मौजूद थे। राजे ने कहा कि 21 अक्टूबर 1951 में हमारी विचारधारा का जो जनसंघ रूपी कारवां शुरू हुआ, वह आज विश्व

का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुका है। यह हमारे कार्यकर्ताओं की बदौलत हुआ। कार्यकर्ताओं के धैर्य की वजह से हुआ। यदि धैर्य रखा जाये तो मंजिल जरूर मिलती है। हमारे कार्यकर्ताओं ने धैर्य रखा तो आज भाजपा इस मुकाम पर पहुंची। हमारे कार्यकर्ताओं के लिए पद नहीं, संगठन सर्वोपरि है। वे खुद के लिए नहीं संगठन के लिए जीते हैं। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब देश में जनसंघ की सिर्फ तीन सीटें हुआ करती थी। आज देश में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उसी विचारधारा भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार है। एक जमाना था जब किसी गांव में सरपंच तक बीजेपी का नहीं मिलता था, आज देश के अधिकांश प्रदेशों में भाजपा या उसके सहयोगी दलों की सरकारें हैं। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रख कर राज्य अभाव अभियोग निराकरण समिति के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्रीकृष्ण पाटीदार को श्रद्धांजलि दी गई। इससे पूर्व राजे स्व. पाटीदार के गांव दुर्गापुरा पहुंचीं। वहां उन्होंने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। परिजनों को ढाढ़स बंधाया। इस मौके पर आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष श्याम शर्मा, सदस्यता अभियान के सह संयोजक निर्मल कुमावत, विधायक गोविंद रानीपुरिया, विधायक कालू मेघवाल, पूर्व विधायक नरेंद्र नागर, जिला प्रभारी छगन माहुर, जिला प्रमुख प्रेम बाई दांगी व जिला अध्यक्ष संजय जैन मौजूद रहे।

पूनरासर हनुमान मेले पर बीकानेर जिले में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा

बीकानेर (हिंस)। पूनरासर हनुमान जी मेले के अवसर पर स्थानीय अवकाश रहेगा। जिला कलेक्टर के आदेशानुसार 10 सितंबर, मंगलवार को पूनरासर हनुमान मेले के अवसर पर जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में स्थित पूनरासर गांव में मंगलवार को हनुमान मंदिर में मेला भरेगा। हर साल होने वाले इस मेले में बीकानेर शहर से हजारों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं। उधर, जिला कलेक्टर ने मेले के अवसर पर दस सितंबर को बीकानेर में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी है। ऐसे में सरकारी और प्राइवेट सभी विभाग और संस्थाओं में अवकाश रहेगा। कलेक्टर की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि बीकानेर में पूनरासर हनुमान मेले के अवसर पर मंगलवार को स्थानीय अवकाश रहेगा। ये अवकाश जिला कलेक्टर ने अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए किया है। पूनरासर के लिए बड़ी संख्या में लोग बीकानेर शहर से पैदल जाते हैं।

विस चुनावों के नामांकन को प्रशासन ने पूरी की तैयारियां

फतेहाबाद (हिंस)। हरियाणा विधानसभा चुनावों को लेकर 5 सितंबर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनदीप कौर ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा विधानसभा चुनाव में नामांकन दाखिल करवाने को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विधानसभा क्षेत्र 39-टोहाना के लिए नामांकन एसडीएम ऑफिस टोहाना, 40-फतेहाबाद के लिए लघु सचिवालय परिसर में बनाये गये एसडीएम कार्यालय फतेहाबाद और 41- रतिया विधानसभा क्षेत्र के लिए एसडीएम कार्यालय रतिया में नामांकन किए जाएंगे। नामांकन प्रत्येक कार्यदिवस में सुबह 11 बजे से शाम तीन बजे तक किए जा सकेंगे। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विधानसभा चुनाव को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने को लेकर सभी जरूरी तैयारियां कर ली गई हैं। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पांच सितंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो रही है। जिला की टोहाना विधानसभा क्षेत्र के लिए एसडीएम टोहाना, फतेहाबाद विधानसभा के लिए एसडीएम फतेहाबाद और रतिया विधानसभा क्षेत्र के लिए एसडीएम रतिया रिटर्निंग अधिकारी हैं, जो नामांकन लेंगे। उपायुक्त ने बताया कि नामांकन का समय सुबह 11 बजे से शाम तीन बजे तक का है। नामांकन पत्र 12 सितंबर तक दाखिल किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 13 सितंबर को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी। 16 सितंबर को नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। 16 सितंबर को ही उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह अलॉट किए जाएंगे। विधानसभा चुनाव के लिए 5 अक्टूबर को मतदान होगा तथा आठ अक्टूबर को मतगणना होगी और मतगणना के साथ ही परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी के लिए खर्च की सीमा 40 लाख रुपए है। जिला निर्वाचन अधिकारी मनदीप कौर ने बताया कि नामांकन दाखिल करने के दौरान आरओ रूम में एक प्रत्याशी के साथ चार व्यक्ति ही जा सकते हैं। इससे अधिक व्यक्ति अंदर प्रवेश नहीं कर सकते। इसके अलावा नामांकन परिसर के 100 मीटर के दायरे में प्रत्याशी के लिए तीन व्हीकल की परमिशन रहेगी, इससे अधिक वाहन वे अपने साथ नहीं ला सकते।

जिला कारागार में हुआ लोक अदालत का आयोजन

जींद (हिंस)। जिला कारागार में बुधवार को लोक अदालत का आयोजन किया गया। प्राधिकरण की सचिव व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने बताया कि जेल लोक अदालत महीने में दो बार लगाई जाती है। जिसमें कई प्रकार के संबंधित मामले लिए जाते हैं। जेल लोक अदालत में ऐसे छह मामले निपटान हेतु रखे गए। जिनमें से तीन मामलों का निपटारा किया गया और तीन हवालातियों को रिहा किया गया। प्राधिकरण सचिव ने जेल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैदियों, हवालातियों को उनके केसों में आ रही मुश्किलों को सुना व समस्याओं के समाधान संबंधित जानकारी दी। इसके अलावा सीजेएम ने जेल में बंद कैदियों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को अपने केस की पैरवी करने के लिए वकील की जरूरत है तो वह मुफ्त कानूनी सेवाएं ले सकता है। इस संबंध में लिखित दरखास्त जेल प्रशासन के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जींद के कार्यालय में भेजनी होती है।

सपा मुखिया टीपू सुल्तान बनने का कर रहे प्रयास : सीएम योगी

प्रयागराज (हिंस)। फूलपुर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया टीपू से टीपू सुल्तान बनने का प्रयास कर रहे हैं। जनता उनके कार्यकाल में जंगलराज को भूली नहीं है। सपा ने माफियाराज कायम कर जनता को त्रस्त कर दिया था। उन्होंने कहा आदिकाल से सनातन धर्मावलम्बियों के आस्था का केंद्र रहे प्रयागराज में आज पहचान का संकट खड़ा हो गया है। बुधवार को फूलपुर इफको पहुंचे सीएम योगी ने भारी भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि वह पीडीए के नाम पर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। सत्ता में आएंगे तो चाचा और भतीजा वसूली में लिप्त हो जाएंगे। अपने शासन काल में टीपू माफिया को गले से लगा कर बनाकर फिरते थे। उन्होंने कहा कि बुलडोजर चलाने के लिए हिम्मत चाहिए। उन्होंने फिर कहा कि माफिया अगर सिर उठाने का दुस्साहस करेगा तो उसको मिट्टी में मिलाने का काम भी सरकार करेगी। अखिलेश पर निशाना

साधते हुए कहा कि सपा शासन काल में राजू पाल की निर्ममता से हत्या कर दी गई। इससे लोगों की रूह कांप गई थी। सपा की सरकार को माफिया संचालित करते थे। इस अवसर पर जनपद प्रयागराज में 5, 000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरण, विद्यार्थियों को स्मार्टफोन-टैबलेट वितरण, विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को ऋण वितरण व सहायता राशि का अंतरण एवं 407 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण शिलान्यास कार्यक्रम में सीएम योगी ने फूलपुर लोकसभा सीट से प्रवीण सिंह पटेल को सांसद निर्वाचित करने पर क्षेत्र की जनता के प्रति आभार जताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि फूलपुर में सर्वांगीण विकास होगा। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के इफको परिसर में आयोजित रोजगार मेले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15, 448 विद्यार्थियों को टैबलेट एवं स्मार्ट फोन वितरित किया। इनमें से 10, 647 लाभार्थी फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के रहे। इसके अलावा 633.80 करोड़ रुपए की 407 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम के दौरान रोजगार मेले में 50 से अधिक कंपनियां लगभग 5000 हजार युवाओं को नौकरी देंगी। जिले के कुल 15, 448 विद्यार्थियों को टैबलेट-स्मार्ट फोन वितरण, फूलपुर के 10, 647 विद्यार्थियों को टैबलेट-स्मार्ट फोन वितरण, 7138 लाभार्थियों के 510.28 करोड़ की ऋण स्वीकृति, जिले में 325.92 करोड़ रुपए की 236 योजनाओं का लोकार्पण, 305.88 करोड़ की 171 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी के एजेंडे में शामिल महाकुम्भ आयोजन की समीक्षा बैठक बुधवार को नहीं हुई, फिलहाल यह स्थगित हो गई है। तैयारियों की समीक्षा तथा निरीक्षण के लिए मुख्यमंत्री जल्द ही दोबारा आएंगे। उस दौरान महाकुम्भ की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे।

गुरु ग्रंथ साहिब के पहले प्रकाश पर्व पर देश विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचे दरबार साहिब

चंडीगढ़ (हिंस)। श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पहले प्रकाश पर्व के अवसर पर बुधवार को भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने सचखंड दरबार साहिब में माथा टेका। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से आयोजित कार्यक्रमों में देश-विदेश से लाखों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने यहां गुरबाणी कीर्तन सुना। इस अवसर पर गुरुद्वारा रामसर साहिब में अखंड पाठ के भोग के उपरंत सचखंड हरिमंदिर साहिब तक सिख परंपरा के अनुसार नगर कीर्तन सजाया गया। श्री गुरु ग्रंथ साहिब की छतर छाया में पांच प्यारों के अगुवाई में सजाए गए नगर कीर्तन की रवानगी के समय सचखंड हरिमंदिर साहिब के मुख्य ग्रंथी एवं अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह, एसजीपीसी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी तथा सचिव भाई रजिंदर सिंह ने पांच प्यारे, निशानची व नगारची सिंघों को सिरोपा देकर सम्मानित किया। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने संगत के नाम पर जारी संदेश में कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब सिखों के ईष्ट हैं और प्रत्येक सिख का यह फर्ज बनता है कि वह गुरुबाणी द्वारा दिखाए मार्ग पर चलकर अपना जीवन

यापन करे। उन्होंने कहा कि पांचवें पातशाह श्री गुरु अर्जुन देव ने अपने हाथों से 1604 में गुरु ग्रंथ साहिब का संपादन करके पहला प्रकाश सचखंड हरिमंदिर साहिब में किया। पांचवें पातशाह ने बाबा बुड्ढा जी को सेवा संभाल के लिए प्रथम ग्रंथी नियुक्त किया। जिससे ग्रंथी परंपरा की शुरुआत हुई। अकाल तख्त जत्थेदार ने कहा कि गुरुकाल से लेकर आज तक प्रथम प्रकाशोत्सव के अवसर पर संगत यहां जुटती है और गुरु ग्रंथ साहिब को श्रद्धा भेंट करती है।

पीएचसी कर्मियों ने पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाली की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू किए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रव्यापी तौर पर विभिन्न सरकारी कर्मचारियों के संगठनों के द्वारा ब्लैक वीक मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में तीसरे दिन बुधवार को फारबिसगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों और कर्मचारियों ने अपने मांग के समर्थन में प्रदर्शन किया। पीएचसी प्रभारी डॉ. राजीव बसाक की अगुवाई में स्वास्थ्यकर्मियों ने पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू किए जाने की मांग को लेकर नारेबाजी की। मौके पर प्रदर्शन कर रहे स्वास्थ्यकर्मियों में पंकज कुमार, एजाज अहमद, प्रदीप कुमार सिंह, कमलेश कुमार, इस्माइल, मो. हासिम, रीना राय, मीरा कुमारी, सुशीला कुमारी, माधुरी कुमारी सहित दर्जनों कर्मचारी मौजूद थे।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह पांच को, मुख्यमंत्री होंगे समारोह के मुख्य अतिथि

जयपुर (हिंस)। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 5 सितंबर को बिड़ला सभागार में प्रात: 11 बजे से आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा होंगे। विशिष्ट अतिथि उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेम चन्द बैरवा तथा उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ होंगे। समारोह की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री मदन दिलावर करेंगे। समारोह में शिक्षक सम्मान पुस्तिका एवं शिविरा का विमोचन किया जाएगा। चयनित शिक्षकों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा तथा विद्यार्थियों को टेबलेट प्रदान किए जाएंगे।

बिहार के मुजफ्फरपुर कोर्ट में 11 फिल्मी कलाकारों पर दर्ज हुआ कोर्ट परिवाद, 20 सितंबर को होगी सुनवाई

पटना/मुजफ्फरपुर (हिंस)। बिहार के मुजफ्फरपुर न्यायालय में अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम, पश्चिमी की अदालत में बुधवार को अधिवक्ता सुधीर ओझा ने वेब सीरिज आईसी 814 हाईजैक के 11 कलाकारों के खिलाफ परिवाद दायर किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 20 सितंबर होगी। परिवाद पत्र दायर करने वाले सुधीर कुमार ओझा ने हिंदुस्थान समाचार से बातचीत में बताया कि एक साजिश और षड्यंत्र के तहत आईसी 814 हाईजैक के नाम से फिल्मकार वेब सीरिज फिल्म 29 अगस्त 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलिज किया गया है। दिसंबर 1999 की प्लेन हाईजैक की घटना पर इसे फिल्मांकन किया गया है। सुधीर ओझा ने कहा कि 03 सितंबर को उन्होंने यह वेब सीरिज अपने मोबाइल पर देखा जिसमें प्लेन हाईजैक करने वाले आतंकवादियों के प्रति फिल्म में नम्रता बरतते दिखाया गया है। उस समय की घटना की सच्चाई को जान

बूझकर छुपाया गया है ताकि देश में जनता के बीच आद्रेश बढ़े देश की अखंडता खतरे में हो। उस वक्त की सरकार की बदनामी हो और अलगाववादियों को बढ़ावा मिले। फिल्म बनाने वाले और इसमें काम करने वालों ने तुच्छ लाभ लाभ के लिए दिसंबर 1999 की प्लेन हाईजैक की घटना को छुपाते हुए एक मनगढ़त कहानी पर वेब सीरिज बना दी और दुष्प्रचार करने का काम किया। इससे परिवादी आहत और मर्माहत हुए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कोर्ट से अपील की है कि इन लोगों के खिलाफ समन जारी किया जाए। परिवाद पत्र दायर करने वाले सुधीर कुमार ओझा ने इस वेब सीरिज के 11 कलाकारों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। फिल्म के निर्माता निदेशक अनुभव सिन्हा, निर्माता संजय रौत्री, निर्माता सरीता पाटिल, दीक्षा ज्योति रौत्री, सहायक निर्माता रोहित शर्मा, अभिनेता नसरुद्दीन साह, अभिनेत्री दिया मिर्जा, कलाकार पंकज कपुर, कलाकार अरविंद स्वामी, अभिनेत्री पत्रलेखा और कलाकार विजय शर्मा के खिलाफ मुजफ्फरपुर कोर्ट में परिवाद पत्र दायर किया गया। सभी अंधेरी, दादर, जुहु पश्चिमी, मुंबई (महाराष्ट्र) के रहने वाले हैं। इन सभी ने मिलकर वेब सिरिज फिल्म आईसी 814 हाईजैक फिल्म बनाई जो दिसंबर 1999 की घटना को लेकर बनाई गई है।

हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरत : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली।
केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में नए विचार लाने तथा युवाओं को शामिल करने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरत पर जोर दिया।

प्रह्लाद जोशी ने 'हरित हाइड्रोजन इंडिया' 2024 के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाने के लिए हमें स्टार्टअप लाने की जरूरत है, क्योंकि इसके लिए युवा तथा नए विचारों की जरूरत है। ग्रीन हाइड्रोजन पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 11 से 13 सितंबर तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस आयोजन का मकसद ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार ने 19,744 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इस प्रदर्शनी में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पाद तथा प्रौद्योगिकी से संबंधित 120 से ज्यादा स्टॉल होंगे। इसमें 150 से अधिक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय वक्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और नीदरलैंड मुख्य रुचि के क्षेत्र होंगे। इन पर सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन का आयोजन नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक कार्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। यह ग्रीन हाइड्रोजन परिदृश्य के बारे में हमारी समझ को गहरा करने और वैश्विक वैज्ञानिक समुदायों और उद्योगों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने का एक शानदार अवसर होगा। इस कार्यक्रम के साझेदार भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया हैं।

केंद्र सरकार जीआईसी में 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी 395 रुपये के भाव में बेचेगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (जीआईसी) में 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी 395 रुपये प्रति शेयर के भाव में बेचेगी। ओएफएस के तहत 11.90 करोड़ से अधिक शेयर यानी 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री के लिए रखी जाएगी। यह पेशकश संस्थागत निवेशकों के लिए खुलेगी। खुदरा निवेशक आज बोली लगा सकेंगे। शेयर बिक्री से 395 रुपये प्रति इक्विटी के भाव पर सरकारी खजाने को लगभग 4,700 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। सरकार के पास वर्तमान में जीआईसी में 85.78 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जीआईसी अक्टूबर, 2017 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई। सरकार ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) से 9,685 करोड़ रुपये जुटाए थे। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहित कांत पांडेय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''जनरल इंश्योरेंस कॉपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी) के लिए बिक्री पेशकश कल खुलेगी। गैर-खुदरा निवेशक बोली लगा सकेंगे जबकि खुदरा और जीआईसी के कर्मचारी आज बोली लगाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

मोबाइल फोन की तरह टीवी इंटरफ़ेस में भी एंट्री करेगा एक्स

नई दिल्ली। अमेरिकी उदयोगपति एलन मस्क की कंपनी एक्स अब आपके मोबाईल फोन की तरह टीवी इंटरफ़ेस में भी एंट्री करने जा रही है। अब यूजर्स अपने टीवी पर एक्स को चला सकेंगे। एक्स के मालिक एलन मस्क ने कन्फर्म भी कर दिया है। उन्होंने एक्स पर बताया कि एक्स टीवी ऐप का बीटा वर्जन एंड्रॉइड टीवी के लिए पहले ही लाइव किया जा चुका है। बीटा वर्जन अभी एलजी, अमेज़ॅन फायर टीवी और गूगल टीवी जैसे डिवाइस पर लाइव है। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि यह ऐप अभी और भी ज्यादा डिवाइस पर आने वाली है। हालांकि, ऐप किस दिन लॉन्च होगी उस तिथि की पुष्टि नहीं की गई है लेकिन यह अलग-अलग डिवाइसों पर अलग-अलग समय पर आ सकता है। बीटा वर्जन के लिए भी ऐसा ही किया गया है। अमेजन में यह ऐप उनके डिवाइस पर जुलाई के अंत में ही आ गयी थी जबकि एलजी पर यह 29 अगस्त को आई। नेटफ्लिक्स और अन्य ओटीटी ऐप की तरह एक्स भी अब टीवी पर देखा जा सकेगा।

501 ईथर रिज्टा फैमिली स्कूटर की डिलीवरी कर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। बीते दिनों ईथर एनर्जी ने महाराष्ट्र के पुणे में मीट रिज्टा कार्यक्रम में कुल 501 ईथर रिज्टा फैमिली स्कूटर की डिलीवरी करके नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी का दावा है कि यह कंपनी के इतिहास में एक दिन में सबसे बड़ी डिलीवरी है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। भाग लेने वाले ग्राहकों ने कहा कि इससे उन्हें ब्रांड की उन्नत तकनीक और डिजाइन दर्शन का गहरा अनुभव और गहरी समझ मिली है। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोग, इलेक्ट्रिक वाहनों के शौकीन और नए रिज़्टा मालिक शामिल थे। नया ईथर रिज्टा इलेक्ट्रिक स्कूटर तीन वेरिएंट्स- एस, झेड और रिज्टा झेड (लॉन्ग रेंज) में उपलब्ध है। 2.9 केडब्ल्यूएच एस मॉडल की कीमत 1,10,156 रुपये, 2.9 केडब्ल्यूएच झेड मॉडल की कीमत 1,25,156 रुपये और 3.7 केडब्ल्यूएच टॉप मॉडल झेड की कीमत 1,45,157 रुपये एक्स-शोरूम है। बता दें कि ईथर रिज्टा फैमिली इलेक्ट्रिक स्कूटर इसी साल अप्रैल में लॉन्च किया गया था। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को लोगों का खूब प्यार मिल रहा है।

भारत में 2024 रॉयल इनफिल्ड क्लासिक 350 लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में 2024 रॉयल इनफिल्ड क्लासिक 350 लॉन्च हो चुकी है। रॉयल इनफिल्ड क्लासिक 350 की बुकिंग शुरू कर दी गई है। इस बाइक की शुरुआती कीमत 1,99,500 रुपये एक्स शोरूम रखी गई है। वहीं इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 2.30 लाख रुपये एक्स शोरूम है। यह होंडा सीबी 350, जावा और यज्दी जैसी बाइक्स को टक्कर देगी। इस बाइक में 349सीसी, सिंगल-सिलेंडर, एयर-ऑयल-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 20.2 बीएचपी की पावर और 27 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। इस इंजन को 5 स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है।रॉयल इनफिल्ड क्लासिक 350 में नया एलईडी हैडलैंप, नई टेललाइट और यूएसबी चार्जिंग पोर्ट के साथ अपडेटेड इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर शामिल है। इसके अलावा बाइक में नए रंग जोड़े गए हैं, जिनमें मद्रास रेड, जोधपुर ब्लू, मेडेलियन ब्रॉन्ज, कमांडो सैंड, कॉपर हाइलाइट के साथ ग्रे और ब्लैक, क्रोम और कॉपर और रीगल ग्रीन शामिल हैं। इसे हेरिटेज, हेरिटेज प्रीमियम, सिग्नल, डार्क और एमराल्ड वेरिएंट्स में उपलब्ध कराया गया है।बाइक के दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक्स, सिंगल और डुअल चैनल एबीएस (एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम) और 6-स्टेप एडजस्टेबल शॉक एब्जॉर्बर दिए गए हैं। इसमें 18 और 19 इंच के व्हील्स दिए गए हैं और खास वेरिएंट्स में अलॉय व्हील्स भी उपलब्ध हैं।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 202.80 अंक नीचे आया निफ्टी में जारी तेजी पर लका ब्रेक

मुम्बई।
घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.32 फीसदी 81.15 अंक नीचे आकर 25,198.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 202.80 अंक नीचे आकर 82,352.64 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में केवल 11 शेयर जबकि निफ्टी में 18 शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं इंट्रा डे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 82,408.54 के उच्च 81,833.69 के नियम स्तर जबकि निफ्टी 25,216 के उच्च और 25,083.80 के निचले स्तर पर रहा था।

बीएसई पर बुधवार को कुल 4,047 शेयरों में कारोबार हुआ इसमें से 2,043 शेयरों में गिरावट आई जबकि, निफ्टी पर कुल 2804 में से 1,401 शेयरों में गिरावट रही। माना जा रहा है कि ये गिरावट अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग डेटा के नीचे आने के कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी आने की आशंकाओं से आई है। इसी का विपरीत प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। अब निवेशक अमेरिकी केंद्रीय बैंक यानी फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का इंतजार कर रहे हैं। सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो शेयर बाजार में बुधवार को ज्यादातर सेक्टर्स में गिरावट रही। सबसे बड़ी गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक में आई। पीएसयू बैंक के शेयर 1.69 फीसदी नीचे आये। इसके बाद निफ्टी आईटी 0.94

फीसदी, निफ्टी मेटल 0.75फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.65 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए जबकि, रियल एस्टेट, हेल्थकेयर, फार्मा और एफएमसीजी सेक्टर में बढ़त रही। निफ्टी फार्मा में 0.74 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी में 0.41 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.74 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.08 फीसदीऔर निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स 0.82 फीसदी की बढ़त रही।

बुधवार को कारोबार के दौरान निफ्टी में एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक बढ़े। एशियन पेंट्स के शेयर 2.50 फीसदी की बढ़त के साथ 3,233.80 के स्तर पर बंद हुए। वहीं इंट्रा डे कारोबार में इसके शेयर 3,252 के उच्च स्तर तक पहुंच गए थे। इसके अलावा अन्य शीर्ष शेयरों में ग्रासिम इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलिवर, अल्ट्राटेक सीमेंट्स, सनफार्मा, अपोलो हॉस्पिटल्स, डिविज लैब , हीरो मोटोकॉर्प जैसे शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं दूसरी ओर विप्रो के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। विप्रो का शेयर 3.06 फीसदी की गिरावट के साथ 519.65 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा, कोल इंडिया, ओएनजीसी, हिंडाल्को, एलटीआई माइंडट्री, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

इससे पहले सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी। जानकारों के अनुसार गत पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंका के चलते कमजोर मैन्युफैक्चरिंग डेटा के बाद भारी बिकवाली हुई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 710 अंक या 0.86 फीसदी की भारी गिरावट के साथ ही 81,845 पर खुला। वहीं, दूसरी तरफ 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 175 अंक या 0.69 फीसदी नीचे आकर 25,104 पर खुला।

गिफ्ट निफ्टी वायदा सुबह 7:05 बजे 25,171 पर कारोबार कर रहा था, निफ्टी वायदा के पिछले बंद भाव से लगभग 200 अंक नीचे था, जिससे इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 के गिरावट के साथ कारोबार करने लगा।

वॉल स्ट्रीट कल रात तेजी से गिरावट के साथ बंद हुआ क्योंकि निवेशकों की उम्मीदें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से कारोबार बढ़ने को लेकर जो उम्मीदें थी वह अब कम नजर आ रही हैं। एसएंडपी 500 वायदा 0.1 फीसदी नीचे था, जबकि नैस्डैक वायदा में 0.15 फीसदी की गिरावट आई। इससे एशिया में नकारात्मक बढ़त की स्थिति बनी। वहीं जापान के बाहर एशिया-प्रशांत शेयरों के एमएससीआई के सबसे बड़े सूचकांक में शुरुआती कारोबार में 0.44 फीसदी की गिरावट रही जबकि अमेरिकी स्टॉक वायदा में गिरावट रही।

रुपया गिरावट के साथ बंद

अमेरिकी डॉलर के मुकाबल बुधवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 83.74 पर खुला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजार में गिरावट ने भी रुपये पर दबाव डाला। शुरुआती सौदों के बाद 83.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से 4 पैसे की बढ़त दिखाता है।

हमारी नीति बैटरी निर्माण को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने की है : कांत

नई दिल्ली।
जी20 के शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों पर 5 प्रतिशत और हाइब्रिड कारों पर 48 प्रतिशत टैक्स लंबे समय तक जारी रखेगा। देश की कई प्रमुख कार निर्माता कंपनियां जैसे मारुति सुजुकी इंडिया और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर लंबे समय से हाइब्रिड कारों पर टैक्स कम करने की मांग कर रही हैं।

कांत ने बताया, हमारे पास एक नीति ढांचा है जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स केवल 5 प्रतिशत है जबकि हाइब्रिड पर 48 प्रतिशत है, जिसे हम लंबे समय तक जारी रखने की योजना बना रहे हैं। हमारी नीति है कि हम भारत में बैटरी निर्माण को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दें। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का लक्ष्य है कि 2070 तक कार्बन न्यूट्रल बना जाए। इसके लिए भारत में ऑटोमोबाइल कंपनियां बँटी हुई हैं। जापानी कंपनियां जैसे मारुति सुजुकी, टोयोटा और होंडा हाइब्रिड कारों पर टैक्स कटौती की मांग कर रही हैं, जबकि टाटा मोटर्स, हुंडई, किया और महिंद्रा एंड महिंद्रा का कहना है कि केवल इलेक्ट्रिक वाहन ही भारत की सड़कों को पूरी तरह से डीकार्बोनाइज कर सकते हैं। भारत में हाइब्रिड कारों पर जीएसटी दर 28 प्रतिशत है, जबकि इलेक्ट्रिक कारों पर 5 प्रतिशत टैक्स लगता है। हालांकि, विभिन्न सेस और अन्य टैक्सों के कारण हाइब्रिड कारों पर प्रभावी टैक्स दर लगभग 48 प्रतिशत हो जाती है। केंद्र सरकार जापानी कंपनियों के हाइब्रिड कारों पर जीएसटी दर को कम करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। अमिताभ कांत ने यह भी कहा कि भारत में सभी इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग अक्षय ऊर्जा से की जाएगी।

उन्होंने बताया, हम तेजी से पूरे देश में चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर फैला रहे हैं। 26 राज्यों ने इलेक्ट्रिक वाहन नीति बनाई है। हमने इलेक्ट्रिक वाहनों पर 5 प्रतिशत जीएसटी और हाइब्रिड वाहनों पर 48 प्रतिशत टैक्स का अंतर रखा है और फेम और पीएलआई योजनाएं भी शुरू की हैं। 5 जुलाई को उत्तर प्रदेश सरकार ने स्ट्रॉन्ग और प्लग-इन हाइब्रिड कारों पर 8-10 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन टैक्स माफ करने का आदेश जारी किया, जिससे इन कारों की ऑन-रोड कीमतें 4 लाख रुपये तक कम हो गईं। टाटा मोटर्स, हुंडई, किया और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इस आदेश का विरोध किया, क्योंकि उनका मानना है कि इससे उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। 11 अगस्त को यूपी सरकार के साथ बैठक में इन कंपनियों ने चिंता जताई कि इस समय पर हाइब्रिड कारों को प्रोत्साहन देना इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट को नुकसान पहुंचा सकता है।

सरकार ने निर्यातकों के लिए ब्याज समानीकरण योजना 30 तक बढ़ाई

नई दिल्ली।
सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्याज समानीकरण योजना को एक और महीने के लिए 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया है। इस योजना का मकसद निर्यात को प्रोत्साहन देना है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी एक व्यापार अधिसूचना में कहा गया है कि व्यापार तथा उद्योग को सूचित किया जाता है कि निर्यातकों के लिए निर्यात से पहले और बाद में रुपये में लिये जाने वाले कर्ज पर ब्याज समानीकरण योजना की अवधि 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दी गई है।

अधिसूचना के मुताबिक निर्यातकों को ब्याज लाभ प्रदान करने वाली यह योजना 31 अगस्त, 2024 को समाप्त हो गई थी। जून में इस योजना को दो महीने के लिए बढ़ाया गया था। ये योजना केवल एमएसएमई विनिर्माण निर्यातकों के लिए है।

उल्लेखनीय है कि निर्यातकों को निर्यात से पहले और बाद में रुपये में लिये जाने वाले कर्ज पर ब्याज समानीकरण योजना के तहत सब्सिडी मिलती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इससे पहले 8 दिसंबर, 2023 को इस योजना को 30 जून तक जारी रखने के लिए 2,500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त आवंटन को अपनी मंजूरी दी थी।

घरेलू बाजार में सोने में तेजी, चांदी में नरमी

नई दिल्ली।
घरेलू बाजार में बुधवार को सोने के वायदा भाव की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। वहीं चांदी के वायदा भाव की कमजोर शुरुआत हुई। सोने के वायदा भाव 71,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,150 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की तेजी से शुरुआत हुई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबुंध 19 रुपये की तेजी के साथ 71,400 रुपये के भाव पर खुला। ये 71,466 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,400 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने इस साल 74,471 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया।

बुधवार को चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध 94 रुपये की गिरावट के साथ 83,158 रुपये पर खुला। बुधवार को सुबह एक समय यह अनुबंध 103 रुपये की कमी के साथ 83,149 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 83,208 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 83,128 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,524.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,523 डॉलर प्रति औंस था। बुधवार को खबर लिखे जाने के समय यह 3.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,526.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.39 डॉलर के भाव पर खुले, इसका पिछला बंद भाव 28.34 डॉलर था।

वर्ल्ड बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था का ग्रोथ अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली।
चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वर्ल्ड बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था का ग्रोथ अनुमान बढ़ा दिया है। पहले वर्ल्ड बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने के अनुमान जताया था। अब वर्ल्ड बैंक ने अपने अनुमान को अपडेट करते हुए भारतीय इकनॉमी के 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है।

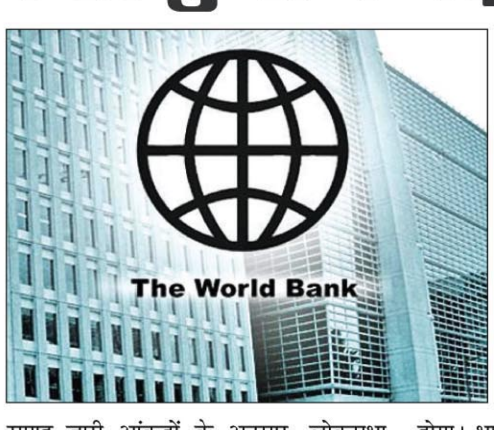

बता दें कि जीडीपी ग्रोथ में गिरावट की वजह लोकसभा चुनावों के दौरान सरकारी खर्च में कमी और खपत रुकना मानी जा रही है। केंद्रीय बैंक आरबीआई ने जून तिमाही के लिए 7.1 प्रतिशत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया था। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, लोकसभा चुनावों के दौरान सरकारी खर्च में गिरावट के कारण अप्रैल-जून तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि धीमी होकर 6.7 प्रतिशत रह गई। वर्ल्ड बैंक का कहना है कि कृषि क्षेत्र में सुधार और ग्रामीण मांग में वृद्धि से भारत की अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलेगा। वर्ल्ड बैंक की तरफ से मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि मजबूत बनी हुई है। विश्व बैंक ने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में कहा कि भारत की ग्रोथ रेट 2024-25 में 7 प्रतिशत पर मजबूत रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया कि कृषि में सुधार से उद्योग में मामूली नरमी आंशिक रूप से कम हो जाएगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सर्विस सेक्टर मजबूत बना रहेगा और कृषि में अपेक्षित सुधार की बदौलत ग्रामीण निजी खपत में सुधार होगा। भारत की अप्रैल-जून तिमाही के लिए अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी रही। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की तरफ से पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.7प्रतिशत की दर से बढ़ी।

सेवा, कम्प्यूटर और दूरसंचार में पूंजी प्रवाह से बढ़ा एफडीआई

नई दिल्ली। देश में सेवा, कंप्यूटर, दूरसंचार और औषधि क्षेत्रों में बेहतर पूंजी प्रवाह से एफडीआई बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 47.8 प्रतिशत बढ़कर 16.17 अरब डॉलर रहा। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-जून के दौरान एफडीआई प्रवाह 10.94 अरब डॉलर था।

आंकड़ों के अनुसार, मई में विदेशी निवेश बढ़कर 5.85 अरब डॉलर और जून में 5.41 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में क्रमशः 2.67 अरब डॉलर और 3.16 अरब डॉलर था। एफडीआई प्रवाह अप्रैल में मामूली गिरावट के साथ 4.91 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले इसी महीने में 5.1 अरब डॉलर था। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार, कुल एफडीआई प्रवाह चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 28 प्रतिशत बढ़कर 22.49 अरब डॉलर रहा, जो बीते वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-जून में 17.56 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई प्रवाह में इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेश आय और अन्य पूंजी शामिल है। इस अवधि के दौरान, मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, केमैन द्वीप और साइप्रस सहित प्रमुख देशों से एफडीआई इक्विटी प्रवाह बढ़ा।

हालांकि, जापान, ब्रिटेन और जर्मनी से एफडीआई में कमी आई। आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान महाराष्ट्र को सबसे अधिक 8.48 अरब डॉलर का पूंजी निवेश प्राप्त हुआ। इसके बाद कर्नाटक (2.28 अरब डॉलर), तेलंगाना (1.08 अरब डॉलर) और गुजरात (1.02 अरब डॉलर) का स्थान रहा। दिल्ली और राजस्थान में पिछले साल की तुलना में एफडीआई में गिरावट आई है। क्षेत्रवार देखा जाए तो सेवा, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, दूरसंचार, औषधि और रसायन क्षेत्र में पूंजी प्रवाह बढ़ा।

आरजी कर कांड की सीबीआई जांच में खुलासा-नौ अगस्त को विदेशी सिम से की गई कॉल

कोलकाता, (हि.स.)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की हत्या और दुष्कर्म के बाद अस्पताल के अधिकारियों को विदेशी सिम कार्ड से कई बार फोन कॉल्स किए जाने का खुलासा हुआ है। सीबीआई जांच में साफ हुआ है कि नौ अगस्त को सुबह 10 बजे के बाद से पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के करीबी डॉक्टर और अन्य अधिकारियों को इस विदेशी सिम नंबर से कई बार कॉल्स किए गए। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, अपराध के बाद सबूतों को मिटाने की कोशिश या डॉक्टर के अंतिम संस्कार को जल्दबाजी में करवाने के पीछे इस विदेशी सिम उपयोगकर्ता की भूमिका हो सकती है। यह भी जांच का विषय है कि इस नंबर का इस्तेमाल किसी अन्य उद्देश्य के लिए तो नहीं किया गया। तफ्तीश में शामिल अधिकारियों का कहना है कि विदेशी सिम का उपयोग करने पर अक्सर ग्राहक की पहचान नहीं मिल पाती, क्योंकि विदेशी सेवा प्रदाता ग्राहक की जानकारी साझा नहीं करते। एक सीबीआई अधिकारी ने बताया, "अक्सर विदेश से प्रीपेड सिम खरीदकर उसे भारत में इस्तेमाल किया जाता है। यह तरीका पहले भी विभिन्न जांचों में सामने आ चुका है।" इस अधिकारी ने यह भी कहा कि यह सिम दुबई या बांग्लादेश का हो सकता है। इस सिम के नंबर को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा गया है

ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह सिम किसके नाम पर और कहां से लिया गया। सूत्रों का यह भी कहना है कि महिला डॉक्टर के शव से नमूने इकट्ठा करने से लेकर अंतिम संस्कार तक की प्रक्रिया में कई गलतियां हुई हैं, जिससे यह शक पैदा होता है कि कहीं जांच में जानबूझकर रुकावट तो नहीं डाली गई। एक जांच अधिकारी के अनुसार, "शुरूआती दौर में ऐसा लग रहा था कि जल्दबाजी में कुछ गलतियां हुईं, लेकिन अब लगता है कि इसके पीछे किसी अनुभवी दिमाग की योजना हो सकती है।" जांच अधिकारियों का यह भी मानना है कि इस सिम का उपयोग करने वाला व्यक्ति कोई प्रभावशाली व्यक्ति हो सकता है और इस मामले में सीधे तौर पर शामिल न होने के बावजूद किसी पुलिस अधिकारी की भी छाया इस घटना के पीछे हो सकती है। सीबीआई इस बात की भी जांच कर रही है कि इस विदेशी सिम के जरिए कॉल करने वाला व्यक्ति कौन है और उसका उद्देश्य क्या था। इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है ताकि सच सामने आ सके।

आईसीजी 'सुजय' इंटीग्रल हेलीकॉप्टर के साथ पहुंचा इंचियोन बंदरगाह पर

- पूर्वी एशिया में चल रही तैनाती का हिस्सा है दक्षिण कोरिया की यात्रा
- समुद्री कानून प्रवर्तन पर ध्यान केंद्रित करते हुए होगी पेशेवर बातचीत

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्वी एशिया में अपनी चल रही विदेशी तैनाती के हिस्से के रूप में भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का अपतटीय गश्ती पोत (ओपीवी) 'सुजय' इंटीग्रल हेलीकॉप्टर के साथ दक्षिण कोरिया के इंचियोन में बंदरगाह पर पहुंचा है। चार दिवसीय यात्रा के दौरान आईसीजी जहाज सुजय का चालक दल समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया (एमपीआर), समुद्री खोज और बचाव (एमएसएआर) और समुद्री कानून प्रवर्तन पर ध्यान केंद्रित करते हुए पेशेवर बातचीत करेगा। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि भारतीय जहाज की यात्रा के दौरान कोरिया तटरक्षक बल (केसीजी) के साथ पेशेवर बातचीत, क्रॉस डेक प्रशिक्षण, संयुक्त योग सत्र, मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन और केसीजी के साथ पैसेज अभ्यास शामिल हैं। इस यात्रा का उद्देश्य न केवल आईसीजी और उनके कोरियाई समकक्षों के बीच संबंधों को मजबूत करना है बल्कि भारत की

जहाज निर्माण क्षमताओं को प्रदर्शित करना भी है। जहाज पर सवार 10 राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स स्थानीय युवा संगठनों के सहयोग से समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों पर एक पर्यावरण संरक्षण वॉकथॉन में भाग लेंगे। आईसीजी ने 13 मार्च, 2006 को केसीजी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, ताकि समुद्री सहयोग बढ़ाया जा सके। जहाज की विदेश में तैनाती एमओयू के दायरे में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने की आईसीजी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह तैनाती क्षेत्र में समुद्रों की सुरक्षा, संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण और प्रमुख समुद्री एजेंसियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्व रखती है। साथ ही भारत की भारत-प्रशांत देशों के साथ मधुर संबंधों को बढ़ावा देने, समुद्री सहयोग के माध्यम से मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

हिमाचल प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों को पांच तारीख को मिलेगा वेतन, 10 को आएगी पेंशन

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में लाखों कर्मचारियों एवं पेंशनरों को वेतन व पेंशन न मिलने का मुद्दा गरमाया हुआ है। इस माह की चार तारीख को भी कर्मचारियों एवं पेंशनरों के बैंक खातों में वेतन व पेंशन नहीं पहुंची। यह मसला बुधवार को राज्य विधानसभा के मानसून सत्र में उठा। विपक्षी दल भाजपा ने इस मामले पर सतारूढ़ कांग्रेस की घेराबंदी करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और कर्मचारियों व पेंशनरों को वेतन व पेंशन के लिए तरसना पड़ रहा है। इस पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सदन में घोषणा की है कि प्रदेश के कर्मचारियों को इस महीने वेतन पांच तारीख और पेंशनर्स को 10 तारीख को पेंशन दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि वेतन व पेंशन को पहली तारीख की बजाय पांच व 10 तारीख को दिए जाने की मुख्य वजह यह है कि राज्य सरकार खर्चे का प्राप्तियों के साथ मैपिंग करके वितीय संसाधनों का इस्तमेमाल विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहती है। प्रदेश सरकार को वेतन व पेंशन की अदायगी हर माह पहली तारीख को करनी पड़ती है जबकि केंद्र सरकार से प्रदेश के हिस्से की रकम बाद में आती है। केंद्र सरकार से राजस्व डिफिस्ट ग्रांट के तौर पर 520 करोड़ की धनराशि छह तारीख और केंद्रीय करों में 740 करोड़ का हिस्सा 10 तारीख को प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों को पहली तारीख को वेतन व पेंशन की अदायगी के लिए प्रदेश सरकार

को बाजार से लगभग साढ़े सात फीसदी की दर से अग्रिम ऋण उठाकर अनावश्यक तौर पर ब्याज का बोझ वहन करना पड़ रहा है। सरकार को पहली तारीख को वेतन व पेंशन देने के लिए कर्ज उठाना पड़ता है, जिस पर हर माह तीन करोड़ का ब्याज देना पड़ता है। इस तरह सरकार द्वारा खर्चे की रिसिप्ट के साथ मैपिंग करके हर महीने लगभग तीन करोड़ रुपये की राशि बचाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने सदन को अवगत करवाया कि प्रदेश में हर माह कर्मचारियों के वेतन पर 1200 करोड़ और पेंशन पर 800 करोड़ खर्च होते हैं। इस तरह कुल दो हजार करोड़ रुपये प्रति माह का खर्चा वेतन-पेंशन पर आता है। वेतन व पेंशन को लेकर यह व्यवस्था इस महीने के लिए की गई है और आगामी माह में वेतन-पेंशन पहली तारीख को देने का प्रयास किया जाएगा। सरकारी बोर्डों एवं निगमों पर यह व्यवस्था लागू नहीं होगी। वे अपने संसाधनों का आंकलन करके वेतन व पेंशन भुगतान पर खुद निर्णय ले सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से प्राप्त अनुमति के आधार पर बाजार से ऋण उठाने के लिए 2317 करोड़ रुपये की बकाया राशि बची है, जिसे राज्य सरकार को आगामी चार महीनों यानी सितंबर से दिसंबर तक विवेकपूर्ण तरीके से इस्तेमाल करना पड़ेगा।

भाजपा सरकार ने बिगाड़ा प्रदेश का वित्तीय संतुलन – मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में इन वित्तीय परिस्थितियों के लिए पूर्ववर्ती भाजपा सरकार जिम्मेदार है। पिछली सरकार ने चुनाव से ठीक पहले मुफ्त रेबड़ियां बांटीं, जिस वजह से प्रदेश का वित्तीय संतुलन बिगड़ गया। वर्तमान सरकार वित्तीय अनुशासन की दिशा में काम कर रही है और आगामी महीनों में अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए और कड़े फैसले लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों से हिमाचल प्रदेश वर्ष 2026 में आत्मनिर्भर होगा और वर्ष 2032 में देश का अमीर राज्य बनेगा।

निकाय चुनाव के लिए पार्टी कार्यकर्ता रहें तैयारः सूर्यकांत धस्माना

देहरादून, (हि.स.)। कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि हार के डर से भाजपा सरकार किसी ना किसी बहाने निकाय चुनाव टालना चाहती है लेकिन हाई कोर्ट के आदेश पर निकाय चुनाव कभी भी हो सकते हैं। इसलिए पार्टी कार्यकताओं को हमेशा तैयार रहना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना बुधवार को यहां श्रीदेव सुमन नगर में आयोजित पार्टी कार्यकताओं की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कार्यकताओं को निकाय चुनावों के लिए कमर कसने का आह्वाहन किया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन कार्यकाल से देहरादून लगातार भाजपा के बहुमत वाला निगम बोर्ड और उनकी पार्टी का मेयर चला आ रहा लेकिन धरातल पर नहीं दिख रहा है। स्मार्ट सिटी के नाम पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद भी आज शहर में सड़कों गलियों नालियों के हाल बेहाल हैं। कुछ घंटों की बारिश से पूरा शहर जलमग्न हो जाता है। धस्माना ने कहा कि सीमा विस्तार के गांव शहर नहीं बन पाए। महानगर में शामिल ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई, सड़क, नाली, बिजली व पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए इन क्षेत्रों के लोग परेशान हैं। चुनाव न होने के कारण बिना जनप्रतिनिधियों के क्षेत्रों में विकास की गतिविधियां ठप हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण श्रीदेव सुमन नगर समेत शहर के अधिकांश वार्डों में सड़कें ध्वस्त हो गई हैं और अनेक स्थानों में नालियों के पुश्ते ढह गए हैं। बैठक में ब्लॉक यमुना कालोनी कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, लियाकत अब्बासी, अनुराग गुप्ता, सरदार जेएस चुग, सरोज सैनी, ममता वर्मा, साधु राम, मोहमद युनुस, जमीर, नानक चंद, सुभाष गर्ग, रईस और आशिमा शर्मा आदि बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ममता बनर्जी पर साधा निशाना, कहा-पवित्र कर्तव्य की अनदेखी की

नई दिल्ली, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में नौ अगस्त को एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्याकांड के बाद लाए गए बलात्कार रोधी विधेयक पर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कटघरे में खड़ा किया है। रिजिजू ने एक्स पोस्ट में 2018 का एक पत्र अपलोड किया है। इसमें महिला अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई की जिक्र है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सर्वसम्मति से मंगलवार को बलात्कार रोधी विधेयक पारित किया गया है । इसमें यदि पीड़िता की मौत हो जाती है या 'कोमा' में जाने की स्थिति हो जाती है तो दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। किरेन रिजिजू ने लिखा, "मुझे दुख है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने महिलाओं और बच्चों को त्वरित न्याय प्रदान करने के अपने सबसे

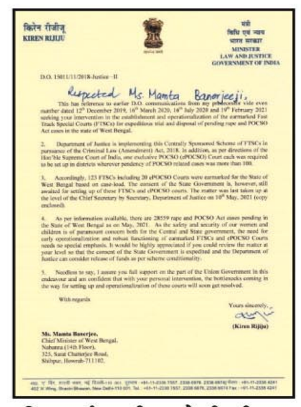
किरेन रिजिजू
KIREN RIJIJU
MINISTER
LAW AND JUSTICE
GOVERNMENT OF INDIA
Respected Ms. Mamta Banerjeeji,
With regards
Yours sincerely,
(Kiren Rijiju)
Ms. Mamta Banerjee,
Chief Minister of West Bengal,

पवित्र कर्तव्य की अनदेखी की। यह पत्र 2021 का है, जिसमें सारी बाते स्पष्ट है। 2018 में बलात्कार और हत्या जैसे खतरनाक अपराधों से निपटने के लिए संसद द्वारा एक कड़ा कानून पारित किया गया था। इस पर राज्य सरकारों को कार्रवाई करनी चाहिए।" अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024' का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नए प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। सनद रहे पश्चिम बंगाल के बारे में मई 2021 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 28 हजार से भी ज्यादा दुष्कर्म और हत्या के मामले लंबित है। केंद्रीयमंत्री के एक्स पर संदर्भित पत्र के अनुसार, बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकारों की है। राज्य सरकारें अपने तरीके से किसी भी समस्या का समाधान निकालें । जिससे जल्द से जल्द न्याय हो सके। न्याय के लिए राज्य सरकार की सहायता भी की जाएगी। दरअसल आरजी कर कांड के बाद जारी विरोध प्रदर्शन के दबाव में यह विधेयक पेश व पारित करने के लिए विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया।इसी में यह विधेयक पारित किया गया है।

पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने की कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात

नई दिल्ली, (हि.स.)। पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। पार्टी की ओर से मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया एक्स पर साझा की गई है। इस मुलाकात को आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। संभावना है कि दोनों पहलवान राजनीति में आ सकते हैं और कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। कांग्रेस पार्टी हरियाणा विधानसभा के लिए आज अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है। उल्लेखनीय है कि बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे थे। उनका आरोप था कि बृजभूषण ने कुश्ती संघ के प्रमुख रहते हुए महिला खिलाड़ियों का यौन शोषण किया है। मामला अभी कोर्ट में लंबित है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक में भाग लिया था। यहां विनेश फाइनल में निर्धारित वजन बनाए नहीं रखने के कारण प्रतिस्पर्धा से बाहर हो गई थी।

हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा : राहुल गांधी

जम्मू, (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी आगामी विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए बुधवार को जम्मू पहुंच गए हैं। राहुल गांधी ने संगलदान (रामबन) में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वो नफरत फैला रहे हैं और हम मोहब्बत फैला रहे हैं। नफरत को नफरत से नहीं, बल्कि मोहब्बत से हराया जा सकता है। हिन्दुस्तान के इतिहास में पहली बार जम्मू-कश्मीर राज्य का दर्जा छीना गया है। आपको राज्य का दर्जा वापस देना है। यह आपका सिर्फ राज्य नहीं छीना गया, बल्कि आपका अधिकार, आपका धन छीना गया। राहुल गांधी ने कहा कि यह इतनी खूबसूरत जगह है कि मैं अगली मीटिंग के लिए जाना नहीं चाह रहा, आपने फंसा लिया मुझे। मुझे ऐसा लग रहा है मैं अगली मीटिंग में न जाऊं और यहीं आपके साथ दो-तीन दिन रहूं। राहुल ने कहा कि पहले मोदी जी बड़े-बड़े भाषण देते थे। इस बार संसद

में घुसने से पहले उन्होंने सिर पर संविधान को रखा फिर अंदर गए। राहुल गांधी ने कहा कि आजादी के बाद हमने राजाओं को हटाकर जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार बनाई। हमने देश को संविधान दिया। आज जम्मू-कश्मीर में फिर उपराज्यपाल के रूप में राजा को बैठा दिया गया है। नाम एलजी है लेकिन काम राजाओं की तरह है। आपका धन आपसे छीनकर बाहर के लोगों को दिया जा रहा है। हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा। हम चाहते थे कि चुनाव से पहले आपको राज्य का दर्जा मिले लेकिन भाजपा ऐसा नहीं चाहती। राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पूरे देश में बेरोजगारी फैलाई। उन्होंने कहा कि आपने अदाणी का नाम सुना है, वो मोदी जी के मित्र हैं। संसद में मुझे कहा गया कि मैं अदाणी और अंबानी का नाम नहीं ले सकता तो मैंने कहा कि कुछ न कुछ तो कहना पड़ेगा, तो मैंने ए-वन, ए-टू नाम दिया है। अगर आप देखेंगे तो जो आपसे राज्य का दर्जा छीना गया है, उसका भी लक्ष्य उन्हीं दो अरबपतियों की मदद करना है। राहुल गांधी ने कहा कि एक बात तो मान लीजिए कि यहां कांग्रेस पार्टी की गठबंधन की सरकार आने वाली है। हमारा पहला काम सभी सरकारी रिक्तियों को भरना और आयु सीमा को 40 साल करना होगा। हम दैनिक वेतन भोगियों को नियमित और स्थायी करेंगे और उनकी आय बढ़ाएंगे।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को पोषण ट्रैकर पहल के लिए ई-गवर्नेंस 2024 के क्षेत्र में मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

नई दिल्ली, (हि.स.)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को पोषण ट्रैकर पहल के लिए ई-गवर्नेंस 2024 (स्वर्ण) का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार सरकारी प्रक्रिया री-इंजीनियरिंग और डिजिटल परिवर्तन के लिए पोषण ट्रैकर पहल को दिया गया है। पोषण ट्रैकर बच्चों के पोषण विकास की वास्तविक समय की निगरानी और मूल्यांकन के साथ बच्चों के लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मिशन

पोषण 2.0 ने अपनी मासिक विकास निगरानी पहल - पोषण ट्रैकर के माध्यम से लाखों युवा जीवन के विकास पर नजर रखने में उल्लेखनीय प्रगति की है। पोषण ट्रैकर कार्यक्रम ने विकास के मुद्दों की सफलतापूर्वक पहचान की है और उन्हें संबोधित किया है, जिससे लक्षित हस्तक्षेपों और बेहतर पोषण परिणामों का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

सरकार ने निर्यातकों के लिए ब्याज समानीकरण योजना 30 सितंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्याज समानीकरण योजना को एक और महीने के लिए 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया है। इस योजना का मकसद निर्यात को प्रोत्साहन देना है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी एक व्यापार अधिसूचना में कहा गया है कि व्यापार तथा उद्योग को सूचित किया जाता है कि निर्यातकों के लिए निर्यात से पहले और बाद में रुपये में लिये जाने वाले कर्ज पर ब्याज समानीकरण योजना की अवधि 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक निर्यातकों को ब्याज लाभ

प्रदान करने वाली यह योजना 31 अगस्त, 2024 को समाप्त हो गई थी। जून में इस योजना को दो महीने के लिए बढ़ाया गया था।

ये योजना केवल एमएसएमई विनिर्माण निर्यातकों के लिए है। उल्लेखनीय है कि निर्यातकों को निर्यात से पहले और बाद में रुपये में लिये जाने वाले कर्ज पर ब्याज समानीकरण योजना के तहत सब्सिडी मिलती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इससे पहले 8 दिसंबर, 2023 को इस योजना को 30 जून तक जारी रखने के लिए 2,500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त आवंटन को अपनी मंजूरी दी थी।

आईसीजी के एएलएच ध्रुव बेड़े की उड़ान पर रोक लगी, सुरक्षा जांच के आदेश

- अरब सागर में गिरे एएलएच ध्रुव के लापता चालक दल के दो सदस्यों के शव मिले
- जांच के दौरान उड़ान नियंत्रण और ट्रांसमिशन सिस्टम पर किया जाएगा फोकस

नई दिल्ली, (हि.स.)। पोरबंदर तट के पास अरब सागर में गिरे भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के एएलएच ध्रुव का मलबा बरामद होने के बाद सर्च ऑपरेशन के दौरान चालक दल के दो सदस्यों के शव मिल गए हैं। इसके बाद आईसीजी ने अपने एएलएच ध्रुव बेड़े की सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें उड़ान नियंत्रण और ट्रांसमिशन सिस्टम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। घटना की गहन जांच होने तक मल्टी मिशन हेलीकॉप्टरों की उड़ानों पर रोक लगा दी गई है। गुजरात में चक्रवाती मौसम के दौरान बिगड़े हालातों का मुकाबला करने और राहत एवं बचाव कार्य के लिए भारतीय तटरक्षक बल के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव को लगाया गया था। दो सितंबर की रात लगभग 11 बजे मेडिकल निकासी मिशन पर निकले एएलएच हेलीकॉप्टर में दो पायलट और दो गोताखोर सवार थे। ऑपरेशन के दौरान इन्हें समुद्र में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। यह घटना उस समय हुई जब हेलीकॉप्टर निकासी के लिए पोत के पास पहुंच रहा था। इसके बाद सर्च ऑपरेशन के दौरान 03 सितम्बर को हेलीकॉप्टर का मलबा मिल गया और एक गोताखोर को बरामद कर लिया गया। हेलीकॉप्टर

के दोनों लापता पायलटों और एक गोताखोर की तलाश में 04 जहाजों और दो विमानों को लगाया गया। भारतीय तटरक्षक बल ने लापता कमांडेंट राकेश राणा, सह-पायलट डिप्टी कमांडेंट विपिन बाबू और एक अन्य फ्लाइट डाइवर के शव बरामद किए हैं, जो ध्रुव उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच एमके-III) के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद लापता हो गए थे। घटना के मद्देनजर तटरक्षक बल ने उड़ान नियंत्रण और ट्रांसमिशन सिस्टम पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने एएलएच बेड़े का एक बार सुरक्षा निरीक्षण करने का आदेश दिया है। बेड़े को अस्थायी रूप से जमीन पर उतार दिया गया है। तटरक्षक बल 16 एएलएच संचालित करता है, जिन्हें बेंगलुरु स्थित विमान निमार्ता हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने डिजाइन और विकसित किया है। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि तटरक्षक बल के पोरबंदर स्थित 835 स्क्वाड्रन का हेलीकॉप्टर (टेल नंबर सीजी 863) समुद्र में नाक के बल गिरा था। सभी तटरक्षक इकाइयों और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को भेजे गए आदेश में अगली उड़ान से पहले आईसीजी ध्रुव बेड़े की जांच करके रिपोर्ट कोस्ट गार्ड मुख्यालय को भेजने के लिए कहा गया है। सुरक्षा निरीक्षण में कई तकनीकी जांच को दायरे में रखा गया है, जिससे हेलीकॉप्टरों पर स्थापित उन्नत नियंत्रण प्रणाली से उनकी उड़ान योग्यता में सुधार हो सके। दरअसल, भारतीय सेना के ध्रुव बेड़े को पिछले साल कई दुर्घटनाओं के बाद डिजाइन की समस्या से जूझना पड़ा था, जिसके कारण उड़ान सुरक्षा रिकॉर्ड पर सवाल उठने लगे थे। उस समय सेना के ध्रुव बेड़े की उड़ान पर रोक लगाई गई थी। इसके बाद हेलीकॉप्टर के बूस्टर कंट्रोल रॉड की व्यापक डिजाइन समीक्षा की गई, जिसके बाद प्रत्येक एएलएच में दोषपूर्ण मौजूदा रॉड को नई रॉड से बदलने का अभियान चलाया गया। अब आईसीजी के ध्रुव हेलीकॉप्टर के साथ यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब पिछले साल कई दुर्घटनाओं के बाद सेना के एएलएच बेड़े की एचएएल ने सुरक्षा जांच पूरी करके बेड़े को अपग्रेड कर दिया है। सशस्त्र बल लगभग 330 ट्विन-इंजन एएलएच संचालित करते हैं।

तंत्रिका दोषों को रोकने में मददगार है हेजलनट

हल्का मीठा और स्वादिष्ट हेजलनट में कई बीमारियों से शरीर की रक्षा करने की क्षमता है। हल्का मीठा और स्वादिष्ट हेजलनट फिल्बर्ट के रूप में जाना जाता है। हालांकि दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है, लेकिन तुर्की, इटली और अमेरिका में इसका उत्पादन बहुत अधिक होता है। इस नट का रंग पीले से भूरा होता है और आकार में गोलाकार से अंडाकार होता है। मार्बल आकार के इस नट में पोषक तत्वों की विस्तृत श्रृंखला पाई जाती है। यह स्वादिष्ट फल वजन कम करने और दिल के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। हेजलनट में कई बीमारियों से शरीर की रक्षा करने की क्षमता है। आइए हेजलनट के ऐसे की कुछ अदभुत स्वास्थ्य गुणों की जानकारी लेते हैं।

दिल के लिए लाभकारी

हेजलनट असंतृप्त वसा से भरपूर होता है, यह दिल की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। हेजलनट में ओलिक एसिड खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और ब्लड में अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। नियमित रूप से हेजलनट के सेवन से कोलेस्ट्रॉल को 27 प्रतिशत कम किया जा सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि हेजलनट के सेवन से रक्त वाहिकाओं में बाधा और धमनी की दीवारों पर जमा होने वाले खराब कोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीकरण को कम किया जा सकता है। नियमित रूप से हेजलनट का सेवन करने वाले लोगों में दिल के दौरे के कारण होने वाली मौत का जोखिम 50 प्रतिशत कम होता है। इसके अलावा इसमें दिल को स्वस्थ रखने के लिए मैग्नीशियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

फोलेट और विटामिन ई से भरपूर

अधिकांश नट्स के विपरीत, हेजलनट फोलेट का बहुत अच्छा स्रोत हैं। फोलेट गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह मेगालोब्लास्टिक एनीमिया और बच्चों के तंत्रिका दोषों को रोकने में मदद करता है। इसके अलावा हेजलनट विटामिन ई को बहुत अच्छा स्रोत है। विटामिन ई लाल रक्त कोशिकाओं के विघटन को रोकता है और एनीमिया के जोखिम को कम करता है। ब्लड का सही सर्कुलेशन प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत रखने, बुखार, सर्दी और अन्य बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है।

मांसपेशियों और हड्डी स्वास्थ्य के लिए अच्छा

मैग्नीशियम कैल्शियम की मात्रा को शरीर में लाने और बाहर ले जाने के लिए विनियमित करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कैल्शियम की उचित मात्रा मांसपेशियों के संकुचन को बढ़ावा और रिलैक्स करने में मदद करती है। यह मांसपेशियों में तनाव, दर्द, ऐंठन, थकान, और ऐंठन से बचाती है। मैग्नीशियम का उच्च स्तर मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा हेजलनट मैंगनीज से भी भरपूर होता है। यह मिनरल हड्डियों के विकास और मजबूती के लिए आवश्यक होता है। हेजलनट में मैगनीशियम स्केलेटल सिस्टम की संरचना और शक्ति के निर्माण के लिए बहुत उपयोगी होता है। यह बोन मिनरल घनत्व को बढ़ाता और ऑस्टियोपोरोसिस से लड़ता है।

कैंसर से बचाव

हेजलनट कैंसर कोशिकाओं के विकास का नेतृत्व करने वाले कारक को खत्म करने के लिए जाना जाता है। यह शरीर में मौजूद दुष्ट कोशिकाओं को शांत करने में मदद करता है। हेजलनट में पाया जाने वाला बीटा-सिटोस्टेरोल स्तन और प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम करता है। कई अध्ययनों के निष्कर्षों के अनुसार, हेजलनट में अल्फा-टोकोड़ेरॉल, एक प्रकार का विटामिन ई ब्लैडर कैंसर के खतरे को लगभग आधा कर देता है। इसके अलावा हेजलनट में मैंगनीज की प्रचुर मात्रा में लंबे समय तक कैंसर से शरीर की रक्षा करती है। मैंगनीज कैंसर एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम का एक घटक है जो कैंसर से रक्षा करने कोशिकाओं के माइटोकॉन्ड्रिया में उत्पादित होता है।

अवसाद को करें इस तरह दूर

अगर आप अवसाद से पीड़ित हैं, तो आपको थकान, लाचारी, और नाउम्मीदी का एहसास हो सकता है। लेकिन यह जानना बेहद जरूरी है कि ये सारी मनोदशाएं अवसाद का हिस्सा हैं और ये सही स्थिति को ठीक ढंग से नहीं दर्शाते हैं। जैसे जैसे आप अपने अवसाद को पहचानने लग जाएंगे और उपचार की शुरूआत कर देंगे, तब नकारात्मक विचार गायब होते चले जाएंगे।

बच्चे की खांसी का कारण निमोनिया तो नहीं?

बारिश और सर्दियों के मौसम के साथ ही मौसम परिवर्तन के दौर में निमोनिया होने की संभावना बढ़ जाती है। बारिश में इस बीमारी के संक्रमण ज्यादा फैलते हैं। ऐसे में थोड़ी एहतियात और डॉक्टर से परामर्श जरूरी हो जाता है। सन के बीज, तिल और शहद के मिश्रण में एक चुटकी नमक डालकर पानी मिला लें। इसके सेवन से पसलियों में आने वाली सूजन कम होगी।

इस तरह करें

टेनिस एल्बो का घरेलू उपचार

टेनिस खिलाड़ियों को लंबे समय तक रैकेट पकड़कर खेलने और कोहनी की हड्डी व मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने के कारण टेनिस एल्बो की समस्या होती है। यहां टेनिस एल्बो के लिए सबसे अच्छे घरेलू उपचारों की जानकारी दी गई हैं। लेकिन इसके अलावा उचित निदान और उपचार के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श करें।

प्राकृतिक उपायों से टेनिस एल्बो के दर्द को दूर किया जा सकता है। यह बीमारी टेनिस खिलाड़ियों को लंबे समय तक रैकेट पकड़कर खेलने और कोहनी की हड्डी व मांसपेशियों पर दबाव पड़ने के कारण होने वाले नुकसान से होती है। इसलिए इसे टेनिस एल्बो कहा जाता है। टेनिस एल्बो होने पर कोहनी में दर्द होता है, कभी-कभी यह दर्द असहनीय हो जाता है, संवेदनशीलता के कारण कोहनी और कलाई में सूजन आ सकती है। हाथ उठने में परेशानी होती है, उंगलियां भी इसके कारण प्रभावित हो सकती हैं, कलाई और घुटने के बीच के हिस्से में भी दर्द होता है। टेनिस एल्बो से बचने के किसी रास्ते के बारे में अभी तक जानकारी नहीं है। हालांकि, कुछ घरेलू उपाय अपनाकर इसे बढ़ने से जरूर रोका जा सकता है। इन उपायों को अपनाकर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है।

बर्फ की सिकाई

कोहनी पर बर्फ लगाना दर्द और सूजन को कम करने का सबसे सरल और आसान तरीकों में से एक है। बर्फ इस समस्या की प्रगति को रोकने में भी आपकी मदद करता है। बर्फ की बजाय आप जमे हुए मटर बैग का उपयोग भी कर सकते हैं। एक पतले तौलिये में बर्फ के कुछ टुकड़ों को लपेटें। अपनर कोहनी को तकिये और किसी गद्देदार क्षेत्र में आराम से रखें। फिर प्रभावित जगह पर धीरे से तौलिया को रखें। 10 से 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। दर्द दूर होने तक इस उपाय को दिन में कई बार दोहराये। लेकिन एक बात को हमेशा ध्यान में रखें कि बर्फ को सीधे त्वचा पर न लगाएं।

कंट्रास्ट हाइड्रोथेरेपी यानी ठंडी और गर्म सिकाई

कंट्रास्ट हाइड्रोथेरपी का मतलब है, प्रभावित क्षेत्र में ठंडा और गर्म सेंक करना, कंट्रास्ट हाइड्रोथेरपी टेनिस एल्बो के लिए एक और बहुत अच्छा उपाय है। गर्म ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने और दर्द को कम करने और ठंडा सेक सूजन को कम करने में मदद करता है। एक पतले तौलिये में गर्म पानी की बोतल लपेटें और दूसरे तौलिये में कुछ बर्फ को लपेटें। फिर लगभग तीन मिनट के लिए प्रभावित अंग पर गर्म सेक करें। अब गर्म सेक को हटाकर एक मिनट के लिए ठंडा सेक को प्रभावित हिस्से पर रखें। इस उपाय को 15 से 20 मिनट के लिए करें। राहत पाने के लिए इस उपाय को दिन में एक बार जरूर करें।

प्राकृतिक दर्द निवारक हल्दी

हल्दी में पाया जाने वाला कुरकुमीन नामक तत्व, एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट और प्राकृतिक दर्द निवारक दवा के रूप में काम करता है। इसके अलावा, हल्दी एंटीऑक्सीडेंट का समृद्ध स्रोत होने के कारण फ्री रेडिकल्स से लड़ने और उपचार को गति प्रदान करने में मदद करता है। एक कप दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर उसे हल्का सा गर्म लें। फिर इसमें थोड़ी सा शहद मिलाकर कुछ हफ्तों के लिए दिन में दो बार पीएं।

दर्द दूर करें अदरक

अदरक में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण, टेनिस एल्बो के लक्षणों को दूर करने में बहुत मददगार होते हैं। अदरक की जड़ के एक छोटे से टुकड़े को काटकर उसे दो कप पानी में मिलाकर दस मिनट के लिए उबालें। फिर हल्का ठंडा होने पर उसमें शहद मिलाएं। इस मिश्रण को दिन में तीन बार तब तक पीएं जब तक की दर्द दूर न हो जाए।

मसाज के फायदे

कैलेंडुला और एवोकैडो ऑयल से दर्द वाले हिस्से पर मालिश करना भी टेनिस एल्बो का एक और प्रभावी घरेलू उपाय है। कैलेंडुला और एवोकैडो दोनों तरह के तेल सूजन और दर्द से राहत देने में मदद करते हैं। इसके अलावा, मालिश रक्त परिसंचरण में सुधार और दर्द वाली मांसपेशियों को आराम देती है। दर्द के दूर होने तक दिन में दो से तीन बार मालिश करनी चाहिए।

हर्ब यानी सेंट जॉन पौधा

एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों के कारण सेंट जॉन पौधा टेनिस एल्बों को ठीक करने में आपकी मदद करता है। इसके अलावा यह दर्द से राहत देने के लिए एक एनाल्जेसिक के रूप में काम करता है। दो चम्मच सूखे सेंट जॉन के पौधे को एक कप गर्म पानी में लेकर उबाल लें। फिर इसे 10 मिनट के लिए कवर करके रख दें। थोड़ा सा ठंडा होने पर इसमें शहद मिला लें। दर्द के दूर होने तक इस हर्बल चाय को दिन में दो बार लें। डॉक्टर से दवाएं लेने पर इस हर्ब के इस्तेमाल से बचें।

ठीक होने की प्रक्रिया में तेजी लाए मेथी

मेथी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों के कारण यह सूजन को कम करने में आपकी मदद करता है। और ठीक होने प्रक्रिया को गति प्रदान करता है। एक चम्मच मेथी के बीज को आप गुनगुने पानी को ले सकते हैं। या एक या दो बड़े चम्मच मेथी के बीज के पाउडर में पर्याप्त मात्रा में दूध बनाकर पेस्ट बनाकर प्रभावित अंग पर इस पेस्ट को लगाए। और एक या दो घंटे के लिए छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी इसे इसे धो लें। दर्द के दूर होने तक इस उपाय को दिन में एक बार करें।

गठिया में लाभकारी पोकवीड हर्ब्स

पोकवीड एक बारहमासी जड़ीबूटी है, जो पूर्वी उत्तर अमेरिका का मूल निवासी है और दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है। इसके बेरीज् और सूखी जड़ों का इस्तेमाल हर्बल उपचार में किया जाता है। पोकवीड सप्लीमेंट अर्क, टिंचर, पाउडर और पुलटिस के रूप में उपलब्ध है। पोकवीड के लिए कोई मानक खुराक निश्चित नहीं हैं।

पोकवीड के गुण: पोक एंटीबायोटिक, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-रूमेटिक, एंटी-स्कर्वीजनक, एंटी-सिफिलिटिक और एंटी-ट्यूमर के रूप में कार्य करता है। इस संयंत्र के कुछ हिस्सों जैसे बेरीज् और जड़ों को हर्बल उपचार के लिए उपयोग किया जाता है। पोकवीड एक तीखी कड़वी जड़ी-बूटी है जो प्रतिरक्षा और लसीका प्रणालियों के कार्य में मददगार होती है।

पोकवीड को इस्तेमाल कैसे करें: परंपरागत रूप से, पोकवीड के लाल पत्तों को लाकर पानी में उबलकर, अच्छे से निचोड़कर निकाल लें। फिर एक बार और उबला लें। ऐसा कम से कम तीन बार करना चाहिए और हर बार पानी को बाहर फेंक देना चाहिए। इन उबले हुए पत्तों का इस्तेमाल सलाद के रूप में या चाय के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा, यंग शूट को शतावरी के विकल्प के रूप में भी खाया जा सकता है। बेरीज् से रेड जूस निकाल कर फिर इसे पकाया जाता है। इस जूस का इस्तेमाल पाई बनाने के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल अन्य जूस में जेली बनाने के लिए भी किया जाता है। पोकवीड के किसी भी हिस्से को कच्चा, असंसाधित नहीं खाया जा सकता है।

महिलाओं के लिए पोकवीडः पोकवीड महिलाओं की कई विशिष्ट बीमारियों को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एंडोमेट्रिओसिस, पोकवीड के निर्धारित उपयोग के साथ हटाया जा सकता है। पीरियड्स से पहले ब्रेस्ट और पेट में दर्द को भी इसके इस्तेमाल से दूर किया जा सकता है। पोकवीड की जड़ में थोड़ी सी मात्रा मे तेल मिलाकर पेट पर हल्के हाथों से रगड़ने से आराम मिलता है। वैकल्पिक रूप से टिंचर की कम खुराक इस्तेमाल की जानी चाहिए। इन्टर्स्टिशल सिस्टाइटिस एक और भड़काऊ बीमारी है जिसे इसी टिंचर से ठीक किया जा सकता है। बवासीर के दर्द को भी इसकी जड़ों के सत्व से ठीक किया जा सकता है।

बीमारियों के लिए पोकवीड

पोकवीड की जड़ का इस्तेमाल दर्दनाक मसल्स, जोड़ों (गठिया) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही यह नाक, गला, और सीने में सूजन के अलावा टांसिलाइटिस, कर्कश गले, लसीका ग्रंथियों की सूजन, ब्रेस्ट में दर्द और सूजन किया जाता है। परंपरागत रूप से, हालांकि, पोकवीड जड़ का इस्तेमाल कभी कभार ही करना चाहिए। अमेरिका के मूल निवासी पोकवीड का चिकित्सा के रूप में इसकी जड़ का सबसे आम उपयोग उल्टी को प्रेरित करने के लिए रेचक के रूप में होता है। बेरीज् को भोजन में रंग एजेंट के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, और वास्तव में अभी भी खाद्य उद्योग में इसका प्रयोग किया जाता है। जब इसे कच्चा खाया जाता है तो संयंत्र द्वारा उत्पादित एंजाइम जैसे लेक्टिंस लाल रक्त कोशिकाओं आपस में जुड़ जाती है। लेक्टिंस चिपकने वाले प्रोटीन हैं। ऐसे लेक्टिंस जो ब्लड टाइप के साथ मेल नहीं खाते, शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। भोजन से आने वाले कई लेक्टिंस हानिकारक नहीं होते हैं, लेकिन थोड़ा बहुत असर होता है। अगर ये लेक्टिंस ब्लड ग्रुप के साथ मेल नहीं खाता, तो शरीर में जलन, सूजन हो सकती है। पोकवीड को अवसादरोधी दवाओं, डिसुलफिरम (Antabuse), ओरल गर्भ निरोधकों और प्रजनन की दवाएं ले रहे लोगों को द्वारा प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। हमेशा किसी भी जड़ी बूटियों को लेने से पहले अपने चिकित्सक और फार्मासिस्ट को बताएं।

डिप्रेशन के दौरान स्वयं बदलें अपनी मानसिक हालत

थोड़े से बदलाव से पाएं बड़ी राहत

वर्तमान समय में डिप्रेशन का दायरा सभी उम्र वर्ग में फैलता जा रहा है। बच्चों युवाओं और बुजुर्गों तक में यह बीमारी घर कर चुकी है डिप्रेशन के कारण न तो कोई काम ठीक से हो पाता है और ना ही कोई सुख मिल पाता है। डिप्रेशन से बाहर आने के लिए के लिए किए कुछ ऐसे काम हैं जो मददगार साबित होते हैं। इनसे उदासी दूर होती है और मन प्रसन्न होता है...

डिप्रेशन सिर्फ बीमारी नहीं है और न ही दिमागी फितूर। यह एक ऐसी मानसिक हालत है, जिसमें पॉजिटिव सोचने और बेहतर रिजल्ट तक पहुंचने की इंसान की कैपैसिटी कम हो जाती है। वक्त पर इलाज और करीबियों का साथ इस बीमारी से निपटने में अहम भूमिका निभाता है। उलझे सवाल, निराश करने वाले जवाब और अनिश्चितता किसी इंसान को उस मोड़ पर ले जाती है, जहां उम्मीदें काफी बेहद कम नजर आती हैं। जब स्थिति नाजुक मोड़ पर पहुंच जाती है तो नतीजे खतरनाक हो जाते हैं। जरूरत है तो इस पर वक्त रहते ध्यान देने और सही इलाज की।

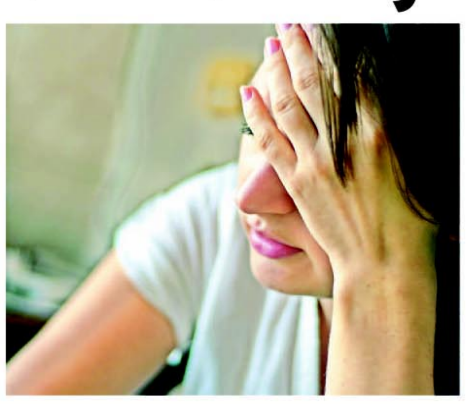

वॉक के साथ योग

दस मिनट की वॉक आपका मूड लंबे समय के लिए सुधार देती है। लय व ताल वाले व्यायाम जैसे तैरना, नृत्य, योग, साइकलिंग करें। लय-ताल से इनमें ध्यान का तत्व भी जुड़ जाता है। सुबह की गई वॉक मन को और भी ज्यादा प्रसन्नचित्त करती है और अच्छी शुरुआत पूरे दिन को बेहतर बनाती है।

डॉक्टर पर न रहें निर्भर

ज्ञान ही शक्ति है। सिर्फ डॉक्टर पर निर्भर न रहें। किताबों, इंटरनेट आदि से अवसाद के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानें। इससे आप अपनी स्थिति का ठीक-ठीक अहसास होगा और उचित उपचार ले सकेंगे। साथ ही नित नई जानकारी पा आप खुद को मानसिक रूप में तरोताजा भी रख पाएंगे।

चीनी आर्ट भी फायदेमंद

यदि आप चाहें तो चीनी मार्शल आर्ट ताई ची का अभ्यास कर सकते हैं। यह धीरे, तालबद्ध और हल्के तरीक से शारीरिक मुद्राएं बनाने का व्यायाम है। इस आर्ट की जानकारी यूट्यूब पर मिल सकती है। इससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ जाता है।

...तो कभी कम नहीं हो सकता मोटापा

मोटापा एक ऐसी बीमारी है,जिसे नियंत्रण करना बहुत ही मुश्किल काम है। आज हर 5 में से 3 शख्स इस बीमारी की चपेट में हैं। हालांकि मोटापे का शिकार होने का जिम्मेदार इंसान खुद ही है। जंक फूड, अनियमित भोजन, तनाव और पूरी नींद न लेना ही वजन बढ़ने का मुख्य कारण है। वहीं मोटापा कई और बीमारियों की जड़ भी बनती है। आज हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह से अपने मोटापे पर काबू पा सकत हैं।

सिर्फ सोचने से नहीं चलेगा काम...

मोटापे का शिकार हर शख्स यहीं सोचता है कि अब कुछ भी हो जाए वह कल अपनी डाइटिंग और एक्सरसाइज की तरफ ध्यान देगा, लेकिन कुछ गंदी आदतें ऐसी हैं जो उसे पतला होने नहीं देती। अगर आप अपने खाने-पीने पर कंट्रोल नहीं करते हैं, तो आप लाख कोशिश कर लें, आप कभी भी पतले नहीं हो सकते।

रोज शराब पीने की लत को सुधारें

डिनर के साथ जो लोग शराब पीते हैं। उनके पेट में तो सीधे तौर पर शक?कर जा रही है, जो उन्?हें कभी पतला नहीं होने देगी। वहीं, अगर आप अपनी इस आदत को थोड़ा काबू कर लें और कुछ दिनों में केवल एक बार शराब का सेवन करें तो आपका मोटापा तेजी से घटेगा।

रोज व्यायाम करने का प्रयास करें: अगर आप अपने शरीर को लगातार काम नहीं करवा रहे हैं और खाकर सोफे पर पड़े रहते हैं, तो आप कभी पतले नहीं हो सकते। बॉडी फैट को घटाने के लिए शरीर को वर्कआउट करवाएं और खूब पसीना बहाएं। इससे आपका वेट अपने आप कम होगा। शरीर से पसीने के रास्ते कई बीमारियां भी निकल जाती हैं।

मीठा खाने की आदत पर करें कंट्रोल

बात चाहें ब्रेकफास्ट की हो, पैक दही की या चाय कॉफी की, आपको हर किसी चीज में शुगर यानी मीठे की मात्रा तो मिल ही जाएगी जो शरीर में इक्ट्ठी होकर चर्बी का रूप ले लेती है इसलिए बाजार से कोई भी चीज खरीदने से पहले लेबल पर उसके शुगर कंटेंट के बारे में पढ़ लें।

डेली डेजर्ट न खाएं

लोगों को इतना मीठा खाने की आदत पड़ चुकी है उन्हें रोज खाना खाने के बाद कुछ मीठा चाहिए, लेकिन डेजर्ट में काफी गुना शुगर होती है, जिसको रात में खाने से मोटापा काफी तेजी से बढ़ता है।

ज्यादा खाने से करें परहेज

बहुत सारे लोगों को ऑफिस या फ्री टाइम में बैठकर कुछ न कुछ खाने की आदत होती हैं। अगर आप भी यहीं कुछ करते हैं, तो आपका पेट कभी कम नहीं होगा। पैकेट बंद स्नैक्स में काफी मात्रा में सोडियम, कार्बोहाइड्रेट् और शुगर होते हैं।

रेसिपी

खाखरा चाट

सामग्री

2 कप दरदरे क्रश किए हुए गेहूं से बने खाखरे, 2 स्पून तेल, 1 स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1/2 कप उबले हुए हरे मटर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 स्पून नींबू का रस

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भून लें। टमाटर, हरे मटर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला ले और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। धनिया और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। परोसने के तुरंत पहले, क्रश किए हुए खाखरा और तैयार मिश्रण को मिलाकर हल्के हाथों मिला लें। तुरंत परोसें।

बाजरा चकली

सामग्री

1/2 कप बाजरे का आटा, 1/2 कप गेहूं का आटा, 1 टी-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, 2 टेबल-स्पून मक्खन (समान्य तापमान पर), 1 टेबल-स्पून दही, तेल , तलने के लिए

विधि

बाजरे का आटे, गेहूं के आटा, लहसुन, कलौंजी, हरी मिर्च का पेस्ट और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। मक्ख़न को आटे के मिश्रण मे मिलाकर उंगलियों से मसलते हुए दरदरा मिश्रण बना लें। दही और थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। मिश्रण को चकली के सांचे में डालकर, न्यूसपेपर या एल्यूमीनियम फॉयल पर गोल-गोल आकार में, अंदर से बाहार की ओर लेते हुए चकली बना लें लगभग 50 मिमी । ऐसा करने से 15 से 17 चकली बनेंगे। एक गहरी कढ़ाई में तेल गरम करें, प्रत्येक चकली को हलके हाथों से चम्मच का प्रयोग कर उठाकर डालें, मध्यम आंच पर उनके दोनो तरफ सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। ठंडा कर हवा बंद डब्बे में रख कर संचय करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**